गढ़ैनगर हाथ

गढ़ैनगर हाथ

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

GADHAINGAR HATH (गढ़ैनगर हाथ)
Collection of Maithili Seed Stories by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-81-951070-2-5
दाम: 200/- (भा.रु.)

तेसर संस्करण: 2023 (पहिल संस्करण: 2014)

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

समर्पण

मिथिलाक वृन्दावनसँ लऽ कऽ बालुक

ढेरपर बैसल फुलवारी लगौनिहार

संगे नव विहान अननिहारकेँ

अनुक्रम:

जनक हाथे खेती

दतमैन काटए भैया काका हँसुआ नेने औगताएल बँसबिट्टी दिस जाइ छला कि रस्तेमे नुनुआँ पुछि देलकैन-

"भैया काका, सरोसती पूजा कहिया छिऐ?"

काजमे बिलम होइ दुआरे भैया कक्काक मनमे उठलैन- जखन पुछलक आ नै कहबै ई उचित नहि। जखन ई 'काका' बुझैए तखन अपनो तँ दायित्व बनिते अछि। मुदा लगले भैया काकाकेँ मोन पड़लैन जे आठ दिनसँ पतरो नै उनटेलौं तखन ओहिना केना कहि देबइ? आब कि ओ समय रहल जे श्राद्धकर्म करबै काल एक गोरे करबै छला आ दोसर बेकती विधि-विधान देखै छला। मुदा जेतए जे होउ से होउ, 'अपना मनक मौजी बहुकेँ कहलौं भौजी।' जे कहतै से कहौ मुदा हूसल बात नइ बाजब...।

भैया काका सोचि-विचारि कऽ साफ शब्दमे नुनुआँकेँ कहलखिन-

"बौआ, आठ दिन पतरा देखना भऽ गेल, देखि कऽ कहबौ। अखन दतमैन काटए जाइ छी।"

जहिना गामक सभ भैया कक्काक बात मानैत रहलैन हेन, तहिना नुनुओँ मानि तँ गेल मुदा दोहरा कऽ पुछि देलकैन-

"काल्हि दुपहरमे आबि कऽ बुझब?"

भैया काका बजला किछु ने, किएक तँ विराम दइक जगह बुझि पड़लैन। मुदा मनमे उठलैन बड़ खच्चर छौड़ा अछि! कहू जे बारह बर्खसँ ऊपरेक उमेर हेतै, सौंसे गाममे टोले-टोल, घरे-घर पूजा

होइ छै, से नै देखै सुनैए जे पुछलक। एकाएक भैया कक्काक मन ठमैक गेलैन। मन पड़ि गेलैन पत्नीक ओ बात जे कहने छेलखिन-

“तीन कट्ठामे जते गहुमक लगता लगल छल दामक भाउवे तेतबे भेल।”

करियाइत मन भैया कक्काक कड़ेलैन। मुदा कहबे केकरा करितैथ। बँसबिटीमे हँसुआ नेने आँखि नवका कड़ची तकैत रहैन मुदा मन जनक हाथे खेती करबामे वौआए लगलैन। सोझहेमे कड़ची रहै, मुदा नजैरपर चढ़बे ने करैन।

थोड़े कालक पछाइत मनमे उठलैन- नमहर-नमहर बाँसक बँसबिट्टीमे ठाढ़ छी मुदा दतमैन नै भेट रहल अछि! विह्वल होइत मुँह पटपटेलैन-

“वएह जनक ने जे बारह बर्खक रौदीमे हर जोति मिथिलांचलक धरतीकेँ असथिर केलाह। एक हाथ पत्नीक करेजपर आ दोसर हवनमे आहूत केने छला। वएह मिथिला राज छी किने जैठाम पढ़ब, अध्ययन करब पूजा नहि, असल पूजा बदैल गेल अछि..!”

भैया कक्काक मुँहक पटपटी तँ बन्न भऽ गेलैन मुदा जनक हाथे खेती जहिना मनमे नाचए लगलैन तहिना आँखिक आगूक सरस्वतीक असल पूजा सेहो देखए लगला।



शब्द संख्या: 338

मूसक घटक

ओछाइनपर सँ आँखि मीड़िते घरसँ निकललौं कि बदरिया-मूस आबि आगूमे ठाढ़ होइत कहलक- “काका, गोड़ लगै छिअ।”

बदरिया-मूसक गोड़ लागबसँ मन कुड़बुड़ाएल। मुदा किछु बजलौं नहि। हमहूँ गामक दछिनवारि टोकक रखबार छी। ओही टोकमे बदरिया-घरक सटले सभ दियादक घर सेहो छइ। ओना, ओकरा सबहक उपद्रव देखि मन तमसाएले रहैए मुदा तामसकेँ ऐ दुआरे घोंटि जाइ छी जे अपना सीमा-सरहदसँ ओकरा बाहर देखै छिऐ। बाहर ई जे बाधक रखबार तँ माल-जाल आ चोर-चहारक छी किने। मूसक तँ छी नहि। तँए की कहबै। जँ सीमा-सरहदक बीच रहैत तँ कोदारिसँ सभटा बिलकेँ खुनि सभ मूसकेँ पकैड़ जीविते झड़का-झड़का, सौंसे-सौंसे तरि-तरि खा जइतौं। मुदा लगले तामस मिझा जाइए जे कहुना भेल तँ जीवे भेल किने, जीवपर दया करक चाही। ओना, अपनो लोभ अछि। लोभ ई अछि जे छह मासक बाधक ओगरवाहीक बोइनो केते होइए। ई तँ ओकरे सबहक कृपा अछि जे कट्ठाक-कट्ठा धान काटि कऽ बिलमे रखैए, जेकरा बाध उसरला पछाइत खुनि लइ छी।

खाएर जे अछि...। समगम मन होइते पुछलिऐ- “अँए रौ बदरिया! भोरे-भोर हम सुरूज भगवानकेँ गोड़ो ने लगलयैन हेन आ तूँ पहिने आबि कऽ गोड़ लागि एना पाप किए चढ़बै छेँ?”

अपन बेस्तता देखबैत बदरिया बाजल- “काका, कहुना भेलहक तँ तोहीं ने हमरा गामक मालिक भेलहक, तँए तोरे दिससँ

काज शुरू केलौं। ऐठामसँ जाएब तखन सरो-समाज आ कुटुमो-परिवारकेँ खबैर देबैन। एक लपकन बजारो जा तीमन-तरकारीक संग विदाइक धोती-चद्दैर सेहो कीनि आनब। सभटा तँ आइए ने करए पड़त।”

भोरे-भोर बदरियाक बात ओराइत नहि देखि बिच्चेमे देखि बजलौं- “अखन ओते निचेन नइ छी, बाज की कहए चाहै छँह?”

मुस्कियाइत बदरिया बाजल-

“गिरहत काका! काल्हि घरदेखिया औतै तेकरे हकार दइ छिअ।”

कौल्हुका भार उतरैत देखि मन हल्लुक भेल, कहलिऐ-

“भोरे पहुँच जेबौ।”

‘भोरे पहुँचब’ सुनि बदरिया खुशी भेल। बाजल-

“चाहो-पान आ खेनाइयो-पीनाइ ओतै हेतह। भोरे तोरा पहुँचने एते तँ हेबै करत जे जनिजाति सभ यत्र-कुत्र नै बाजत। नै तँ तेहेन चालि मौग सबहक अछि जे अनेरे बरतुहारकेँ कहि देतै जे लड़का दोती अछि।”

दोसर दिन चारि गोरेक मेड़ियामे घटक आएल। चाह-पान करा बदरियाक बाप जेठुआ चारू गोरेकेँ अपन धन-सम्पैत देखबैत बाजल-

“समैध, अहाँ बेटीकेँ हमरा घरमे कहियो दुख हेतइ। उ जे देखै छिऐ बीचमे- पाँच बीघाक टोक अछि, से अपने जिरात छी, ओइमे सतरिया, कामौर, तुलसी फूल, बाँस फूल, राजा भोग झबड़ल अछि। बाँकी जेते ठढ़का देखै छिऐ ओ बँटाइ आ खसलाहा जेते नजैर पड़ैए ओ खाप छी।” ❑ शब्द संख्या: 382

ग्लानि

आने विवेकी मनुक्ख जकाँ आइ टेकनाथो मीतकेँ भेलैन। बेर-बेर मन धिक्कारैत रहैन जे नीक बुझि जइ चालिकेँ पकैड़ चललौं, ओ सात जोजन तर गाड़ि देलक...।

मुड़ी गोंतने टेकनाथ मीत अपन भूत दिस नजैर दौड़ौलैन। जहिना जिनगी समैयक संग कखनो दौड़ैत, कखनो असथिरसँ आ कखनो ठमकैत चलैए तहिना ने चालियो-प्रकृत जिनगीक संग चलैत रहैए।

शुरूहेमे टेकनाथ मीतकेँ अनकर भोज-काजमे खलल करैक रोग पकैड़ लेलकैन। मनुक्खो तँ मनुक्खे छी। कियो अनकर हितमे अपन हित बुझैए तँ कियो अनकर अहितमे अपन हित बुझैए। हिसाबो दुनू नीके छइ। एक छै जे जखन सबहक हित हेतै तँ तहीमे ने अपनो हएत। दोसर छै जे अनकर घटबी हेतै तखन ने अपन बढ़ती हएत।

तइमे दोसर चालिकेँ पकैड़ चलनिहार टेकनाथ मीत छैथ। जहिना सुखल जाफर तेलमे डुबि डुब्बा रूप पकैड़ लैत तहिना टेकनाथो समाजमे डुब्बा जाफर बनि गेला। शुरूमे नीक-निकुत खेनाइ खाइक लत लगलैन, जइसँ अपने हाथे बनबैक लूरि सेहो भऽ गेलैन। भेलैन ई जे गामक नामी भनसिया बनि गेला।

समय ससरल। समैक संग टेकनाथो मीत आगू ससरला। ससरैत-ससरैत अपन प्रतिष्ठाकेँ बढ़बै दुआरे हथियार उठा लेलैन। अवसरो अनुकूल भेटलैन। अनुकूल ई जे भनसियासँ भनसियाक

मैनजन बनि गेला। अहड़ीक बगलमे ओछाइनपर बैस महंथाइ करए लगला। अपन कुरसी बँचबैले जखन सभ नीक-अधलाक मदैत लइते अछि, तँ टेकनाथे मीत किए नै लइतैथ। भलेँ ढेरो खर्च केनिहार भोजैतकेँ अजश भऽ जाउ, तइसँ टेकनाथ मीतकेँ कोन मतलब। आब की ओ अपना हाथे काज करै छैथ जे दोख लगतैन। जे भनसिया तरकारीमे नून अधिक दऽ देलक आकि असिझू भात रान्हि लेलक, से तँ ओ जानए।

तरकारीमे टेकनाथ मीतक आदेशसँ नून पड़ल। जे बात भनसिया खोलि बाजल-

“जहिना नपासँ दइले टेकनाथ कहलैन तहिना तँ देलिऐ, तखन केना दोखी भेलौं।”

कोनो कि एक्केटा परिवारमे तेलक मालीमे जाफर डुमल रहैए, आकि सभ घरमे। गामक शीर्ष जाफर टेकनाथ मीतकेँ मुहेँपर कहलकैन-

“एहेन कुकुर चालि रहए तँ दोसराक काजमे नइ पड़ी...।”

❑ शब्द संख्या: 295

गरियबैक समय

भैया कक्काक मुहेँ बहुत दिनसँ गारि पढ़ब नहि सुनि बुझि पड़ै छल जे देखौआ दुनियाँसँ मतलब कम भऽ गेलैन अछि। ओना, ई बात केते दिन अपने मुहेँ सुनए चाहै छेलौं, मुदा पुछबो केना करितिऐन। एहनो बात पुछैबला भेल जे अहाँ मुहेँ गारि नै सुनै छी। अचताइत-पचताइत अखन धरि नहियेँ पुछलयैन। भऽ सकैए जे सकारात्मक-नकारात्मककेँ नकाइर देने होइन।

आइ भोरे सुति कऽ उठिते भैया कक्काक मुहेँ अनधुन गारि सुनलौं। सेहो फुसफुसा कऽ नहि, जोर-जोरसँ! मुदा लगले पुछब उचित नइ बुझलौं, भऽ सकैए परिवारमे किछु भेल होइन। बिना कहने केकरो परिवारक अकची-दोकची अनेरे किए सुनब। ओहुना तँ होइते छै जे एके परिवारमे कियो ईर घाट, तँ कियो वीर घाट आ कियो बेंग घाटमे नहाइते अछि। तैठाम जँ कहा-कही-गारि-गरोबैल नै होइ तखन तँ परिवारक जीवात्मा मृत्यात्मा बनि जाएत किने...।

जोर-जोरसँ ललैक-ललैक जे गारि भैया काका पढ़थिन से तँ पढ़बे करथिन मुदा जखन बजैत-बजैत बाजि गेला जे 'सुननिहारो तँ कियो ने अछि!' तखन मनमे आएल जे आब पुछैक गड़ भेट गेल। पुछलयैन-

"काका, भोरे-भोर तेना ने चिकैर-चिकैर अहाँ बाजब शुरू केलौं जे हमर वसन्तीए नीन टुटि गेल..!"

पुछैकाल तँ पुछि देलिऐन मुदा लगले मनमे उठल- जँ कहीं तमसाएलेमे उत्तर देता तखन भऽ सकैए अनकर घेघ अपना गरदैन

ने लटैक जाए! मने-मन डर हुअ लगल। मुदा अपन साधे की! परीक्षा देल धू-बन्हू छागर जकाँ तँ मुहथैरपर आबिए गेलौं। तीत-मीठ बरदास करए पड़त।

मुदा, नाटकक कलाकार जकाँ लगले कक्काक रूप बदैल गेलैन। बजला-

“हौ, मीठो बात चिकैर-चिकैर बाजल जाइ छइ।”

सह-पाबि सहैट कऽ सटैत सह लगा देलिऐन-

“नइ, एहेन जँ होइ तखन तँ दुनियेँ अन्हार भऽ जेतइ।”

हमर गपमे काकाकेँ जेना रस भेटलैन, रसिया बनि रसाइत बजला-

“गारि पढ़ैबला काजो आ ओहन केनिहारोकेँ जँ चिकैर-चिकैर नै गरियाएब तखन तँ भेल..! मुदा एकटा बात बुझि लएह, गारियो पढ़ैक जगह आ समय होइ छइ।”

❑ शब्द संख्या: 289

दोस्ती नै धाड़ैए

मतिछिन्नु जकाँ भेल दरबज्जाक खुट्टामे ओंगैठ अपने करनीक फल देखितो रही आ ऐगला फल दिस तकबो करैत रही। मुदा मन केतौ थहेबे ने करए, केतौ-केतौ डुमियोँ जाइ आ केतौ-केतौ बुझि पड़ए जे समुद्रक कातमे लहैरक संग बालुपर ढुसि खेलै छी।

गाम दिस ताकी तँ देखिऐ जे गोसाँइ भायकेँ सौंसे गामसँ दोस्ती निमैह रहल छैन, मुदा अपना तँ जेहो एकटा लऽ दऽ कऽ दोस छल जे कि खेनाइ-पीनाइसँ लऽ कऽ बर-बरियाती पुरनाइ धरिक छल सेहो चलि गेल। ओह! अनेरे झगड़ा कऽ अपन संकल्प तोड़लौं। कहू! ई केहेन भेल जे जइ भोला बेटाक केश कटबए गंगा कात गेल रही आ केश कटौला पछाइत छौड़ाकेँ असीरवाद देने रहिऐ जे पाँच सालक पछाइत बरियाती पुरि बिआहो कऽ देबौ, से टुटि गेल। भोलबो जहिना सप्पत खा कहि देलक जे 'तोरा दुआरपर थूक नै फेकबौ', तहिना झोंकमे अपनो तँ कहिये देलिऐ..! आब जखन लाभ-हानि तकै छी तँ बुझि पड़ैए जेहो एकटा दोस छल सेहो चलि गेल!

असगरे जहिना पुरुखक घर तहिना ने मौगियोक होइ छइ। ओह! अनेरे एहेन झोंकमे पड़लौं, ओ जौं बजबे कएल तँ पछाइत बुझा दैतिऐ जे मनक कोनो ठेकान छै ओहिना मुहसँ निकैल गेल, तइले दोस्ती किए चलि जाएत। भेल तँ एतबे ने रहए जे ओ माटिक तरक अल्हुआ-सुथनीकेँ फल कहि एकादशीक बात कहैत छल आ हम आम-जामुनकेँ अकास फल कहि एकादशीक बात कहैत रहिऐ।

अनेरे बात रग्गड़-झग्गड़ बनि मग्गह चलि गेल। बुकौर लगि गेल जे असकरे गाममे केना रहब? जइ गाममे जाति-जातिक रगड़ा, जाति-जातिक बीच कूल-मूलक रगड़ा, कखनो टिक-बिनु टिकक रगड़ा, कखनो राम-कृष्णक रगड़ा तँ कखनो ऐ टोल ओइ टोलक रगड़ा..! केना एहेन समाजमे असकरे रहब?

जहिना बान्ह टुटने वा छहर टुटने बाढ़िक पानि घरेकेँ डुमा दैत आ घरमे बैसल घरवारी घरकेँ रक्षक बुझि भक्षक भऽ जाइत, सएह गति भेल। मुदा गरिबाहा जे धनिकाहाक देखसी-रस्ता पकड़त तँ केतेक दिन चलि सकत। मनमे उठल जे जाबे अपन दुख दोसरकेँ नै कहब ताबे अहिना हएत। मुदा कहबो केकरा करब? डेंगी नाहमे बैसा डगमगा कऽ डुमबैएबला बेसी अछि। नजैर उठा तकलौं तँ मंगल ग्रह जकाँ गोसाँइ-भाय छोड़ि दोसर कियो ने बुझाएल।

गोसाँइ भाय स्कूलक संगी छैथ। गोटि-पङ्गरा जेहो पुरान लोक छैथ ओ जहिना अपनाकेँ पुरना सीमा बना लेलैन तहिना नवका तूर नवका सीमा बनि गेल अछि। कारणो भेल शिक्षाक बदलाव। मुदा गोसाँइ-भाय तँ एक बतरिया छैथ, हुनकेसँ पुछब नीक हएत।

विदा भेलौं। गोसाँइ-भाय हमरा गिरगिटिया कहै छैथ। जखन बजै छी तखन 'ठीक-ठीक' कहि दइ छैथ, मुदा रंग बदलैकाल सतरंगा कहि गिरगिटिया कहै छैथ। संगी-साथीमे अहिना होइ छइ। बान्हपर देखिते गोसाँइ-भाय पुछलैन-

"की गिरगिट भाय, सुनै छी अहू बेर इलेक्शन हएत?"

कहलयैन-

"आब ऐ सभकेँ छोड़ि देलौं। सभ पाटी टहैल-बुलि देखि लेलिऐ। एक उमेरोपर एलौं, आब छौड़ा-मारेक चालि धड़ब से सकब।"

गोसाँइ भाय मुड़ी डोला असथिर भऽ गेला। किछु बजला नहि। दरबज्जापर पहुँच बैसलौं। चाह पीबिते मन असथिर भेल। पुछलयैन-

“भाय, हमरा दोस्ती नै धाड़ैए, तेकर की कारण? अहाँकेँ देखै छी जे सगरो लुधकी लागल अछि आ हमरा जेहो एकटा छल सेहो टुटि गेल?”

पुछलैन

“किए?”

कहलयैन-

“मुहाँ-ठुट्ठी भऽ गेल।”

“केहेन मुहाँ-ठुट्ठी?”

“जेना कौआ-ठुट्ठी नै खेलाइ छिऐ, तहिना।”

“गिरगिट भाय, अहाँ लंगोटिया संगी छी तँए कहै छी। जहिना कोनो-कोनो गाछमे एक्केटा सिर होइ छै आ कोनोमे मुसरासँ लऽ कऽ मोटका सिरक संग पतरका सिर आ तैसंग जल्लो होइ छै, सबहक अपन-अपन काजो आ जिनगियो छै तहिना बिनु रोपल मनुक्खोक सिर होइत अछि। ओकरामे दोसर केना सटै छै आ हटै छै, यएह खेल छइ। अही पाशापर बैस सभ कियो अपन-अपन जिनगीक नाह खेबि भव-सागर पहुँचैए।”

❑ शब्द संख्या: 553

कलंक

दिशा-दिशान्तर दिस दृष्टि उठा विश्वामित्र देखलैन तँ समुद्रमे जोर-जोरसँ उठैत लहैरपर नजैर पड़लैन। लहैरक गति देखि बुझि पड़लैन जे कहीं भूचाल तँ ने भऽ रहल अछि! एहेन भूचाल पूर्वोमे भेल छल आकि पहिल-पहिल भऽ रहल अछि। मुदा ई भाँज केना लागत? ने एकोटा पोथी बँचल, सभटाकेँ दिवार खा गेल आ ने एकोटा पुरान लोककेँ देखै छी जिनकासँ पुछि लेबैन। तखन?

आँखि बन्न केने विश्वामित्र बन्द पिपनीक तरसँ जखन तकला तँ त्रेता युगक मंथरापर नजैर पहुँचलैन। पहुँचते देखला- मंथरा कलिल प्रभातक सुरूजकेँ अर्घ दऽ रहल अछि!

मन बिहुसि गेलैन। बिहुसिते विश्वामित्रक मन अनेरे खापैड़मे देल तिसी जकाँ चनचना-चनचना उड़ए लगलैन-

“एह! ओहो नौड़ी-छौड़ी कमाल केलक। अयोधिया राजकेँ ढनमना देलक..!”

मुदा लगले मन ठमकलैन। पैछला बात इतिहास-पुरान भेल, अनेरे ओकरा धुनने बड़ हएत तँ मोटका तोसक-सीरक बनत, आब ओ युग रहल जे अनेरे पाँच किलो ऊपरो आ पाँच किलो तरोमे तड़तड़ाएत..! आब तँ ठण्ढा हवाक दबाइ बिजलीक हीटर भऽ गेल। जिनगी असान भऽ गेल, मुदा आचारक की विचार अछि से केतए हरा गेल अछि जे एना बेर-बेर समुद्रमे लहैर उठैत रहैए..?

विश्वामित्रक मन फेर ठमकलैन। ओह! अनेरे कोन फेरिमे पड़ै छी। घरवाली घर लेती, दाइ जेती छुच्छे। केते दिन जीबे करब जे

अनेरे माथमे मोटरी बान्हि रखने रहब। मुदा जाबे आँखि तके छी ताबे केना मुनल रहत। जेकर रक्षा ओटोमेटिक पीपनी करैत रहैए। मन नचिते रहैन आकि डेग उठि पूबरिया रस्ता पकैड़ लेलकैन।

जाधैर भकुआएल रहला ताधैर तँ दिशाँस लगलाहा जकाँ पूब-पच्छिमक बोध नै रहलैन मुदा आगूक कटारिकेँ देखिते विश्वामित्र चौंकला। जहिना गाड़ी-सवाड़ीक यात्री अपन जीवन-मरणक बीच चलैत रहैए तहिना विश्वामित्रक मनक सवारी मरल-जीअल बाट पकैड़ आगू बढ़ल। आँखि उठा देखलैन तँ मंथराक घर सोझहेमे पड़लैन। जीह हलैस गेलैन। मंथरा कहुना छी तँ राज-दरबारक छी किने। बैसैले सोनाक पिरही देबे करत। सभ दिन तँ सागेक विन्यास ने गनै छी मुदा आइ तँ छेनेक विन्यास गनब। मुदा लगले जीहक पानि धरतीपर खसिते मन बदललैन। की मंथरा जीबैत जीबैए आकि मुइल? जहिना कोनो गाममे जँ सभ कियो चोरे भऽ जाए तखन चोर के भेल? कियो नहि! मुदा सधुआ गाम तँ नहि कहौत, कहौत तँ चोरबे गाम।

दरबज्जापर पहुँचते विश्वामित्रपर आँगन बहारैत मंथराक नजैर पड़ल। पहिलुके नजैरमे अखड़ाहाक खलीफा जकाँ माटिक सलामी भेटलैन। हाथमे बाढ़ैन नेनहि आँगनसँ मंथरा बेसोह दौगल आबि डेढ़ियापर बाढ़ैन पटैक दुनू हाथे दुनू बाँहि पकैड़ विश्वामित्रकेँ गोड़ लागि आँगन लऽ गेलैन। असीरवाद दैत विश्वामित्र पुछलखिन-

“मंथरा, अहीं तँ राम-रावणक बखेरा ठाढ़ केलौं, अखुनका की हाल अछि?”

विश्वामित्रक प्रश्नपर धियान नै दऽ मंथरा ऋृषिक सेवामे चुपचाप लगि गेली।

आतिथ्य-सत्कारक पछाइत मंथरा मुँह खोललक- “बाबा

महाराज! इतिहास-पुरान हमरा कलंकिनी बना ठाढ़ केने अछि। असगरमे कहियो भेँट होइक समय नै भेटल तँए अखन तक अहाँ कान धरि नै पहुँचा सकल छेलौं, मुदा आइ...।”

बिच्चेमे विश्वामित्र पाकल आम जकाँ टपैक खसला-

“ई तँ हमर दुर्भाग्य जे अहाँ सन करामातीसँ तीन युगक पछाइत भेँट भेल।”

विश्वामित्रक आमक रस पाबि मधुआएल मंथरा बाजल-

“दरबारमे हम नौड़ी छेलौं। नौड़ी-छौड़ीक मोजरे केते होइ छै से अहाँसँ छिपल अछि।”

विश्वामित्र मुड़ी डोलबए लगला। तैबीच मंथरा पुन: बाजल-

“तखन हमरे दोख लगा किए कलंकिनी बनौने अछि?”

मंथराक प्रश्न विश्वामित्रकेँ ठमका देलकैन। तत्काल बातकेँ टारैत बजला-

“अखन हम हाल-चाल बुझैले चलल छी। अहाँक पुरान बात अछि। बिना तात्विक चिन्तनसँ नै हएत।”

मंथरा- “तखन?”

“सात दिनक समय दिअ। आठम दिन आठ बजे अपने आबि कहि देब, नहि जँ कोनो काजक ओझरीमे पड़ि गेलौं, तखन अहीं सबा आठ बजे पहुँच जाएब।”

❑ शब्द संख्या: 542

भभटपन

फागुन मासक बेरुका पहर। करीब तीन बजेमे दीप-हाट विदा भऽ गेल रही। ओना एके पाँतर हटल हमरा गामसँ दीप हाट अछि, तहूमे हमर घर दछिनवरिया टोलमे अछि आ हाट लगै छै गामक उतरवरिया गाछीक परतीपर। मुदा किछु अछि तैयो कोस भरिसँ ऊपरे हटल अछि, जे कम नहियेँ हएत। मोटा-मोटी यएह बुझू जे माइल आ किलो मीटरसँ बेसी अछि, कोस तँ अछिये। मुदा आब हमरा सन-सन लोककेँ रस्तो-पेराक हिसाब एकटा कोर्सेक विषय जकाँ बनि गेल अछि। पहिने माइल-ताइल लोक नइ बुझै छल, कोस बुझै छल। मुदा आब तँ कोस कोसी धारक कटान जकाँ कटि किलोमीटर भऽ गेल, जइसँ विषयक विषैये बदैल गेल! माने ई जे हम सभ कोस-अदहा कोस, एक पौआ-तीन कनमा आ दू कनमा बुझै छी, तैठाम तेहेन सोझका किलोमीटर आबि गेल अछि जे अदहा-चौथाइ, केतए तर पड़ि गेल से भेटबे कठिन भऽ गेल अछि। खाएर जे भेल, मुदा हमरा गाम-ले कि हमरा सभ-ले, वएह हाट पहिनहिसँ लगैत आबि रहल अछि, अखनो लगैए आ आगूओ कहिया तक लगैत रहत तेकरो ठीक नहियेँ अछि...।

गामक दछिनवरिया अन्तिम छोरपर मनचोभी बाबाक घर छैन। ओना, गाममे दर्जनो नाओं मनचोभी बाबाक छैन, तेते तँ नहि मुदा जहिना किछु लोक 'मनचोभी बाबा' कहै छैन, तँ किछु लोक 'छोटका बाबा' कहै छैन तहिना किछु लोक 'मनचोभी काका' आ किछु लोक 'मनचोभी भाय' सेहो कहै छैन। मुदा एते तँ छैन्हे जे अपन धिया-पुता सभ 'बाबूए' कहै छैन आ पत्नी की सभ कहै

छथिन से तँ दिन-सँ-राति धरिक अँगना-घरक गप भेल, टाटक बीचक भेल, ओ सभ नइ सुनै छी तँए नइ कहब।

मनचोभी बाबाक घर सिके पहुँचैसँ पहिने मनचोभी बाबाक घरोपर आ बाबोपर मन पहुँच गेल छल। किछु-किछु बात, मनक पोखैरमे उपकए लगल। ताबे बाबाक दरबज्जा सोझे पहुँच गेल छेलौं। सड़के मुहेँ दरबज्जा छैन, जेकर ओसारक चौकीपर मनचोभी बाबा पेटकुनियाँ गरे, पेटसँ पीठ धरि तौनी घुमा कऽ बान्हि दुनू ओरीकेँ मोड़ि-सोड़ि कऽ गेन जकाँ गोल बना, पेटक तरमे दबने पड़ल छला।

ओना, चौकीपर पड़ल सड़केपर सँ देखलयैन मुदा चिन्हमे नइ एला, मुदा फेर ईहो भेल जे आबक समय कि कोनो पहुलका रहल जे आनो-आन दरबज्जापर बैसे छला, आब तँ अपनो शॉर्टकट जिनगी अछि। जहिना घर-अँगनाक परिवार अपन भेल, तहिना दुआरो-दरबज्जाक ने अपने भेल। भलेँ अपन नइ बना सभटाकेँ बैंकेमे रखि सुदि खाइ, भेल तँ ओहो अपने ने। ईहो तँ अपने भेल। मुदा तइले बाबा-दादाकेँ नइ सोर पाड़ि कहबैन जे ई अहीं सबहक देल परम्परा छी। सूदि खाएब समाजक नीच कर्मक श्रेणीमे सभ-दिन रहल अछि। सेहो तँ उचित नहियेँ हएत।

तैबीच कनी-कनी कुहरैक आवाज बुझि पड़ल। तहूमे कि कोनो आड़ि-धूरक झगड़ा भेल अछि जे केतौ जाइसँ पएर रोकब। जेना-जेना लग भेल जाइ तेना-तेना बाबा चिन्हमे आबए लगला, टोकलयैन-

“बाबा, किए कुहरै छी?”

ओना, ईहो अकानैत रही जे बाबा घर्रै छैथ कि कुहरै छैथ, मुदा से नीक जकाँ नइ बुझि पेलौं, ताबे लग आबि गेल रही जइसँ पेटक

तरक गोलापर नजैर पहुँच गेल।

मनचोभी बाबाक मनमे जेना कनी आफियत एलैन। बामा हाथे पट तरक तौनीक गेनकेँ घुसकबैत खखसला। खखसबसँ बुझि पड़ल जे कण्ठ सर्रास भेलैन। कण्ठ सर्रास होइते बजला-

“बौआ, आइ नइ बाँचब।”

‘आइ नइ बाँचब’ सुनि मन ठमैक गेल। ठमैक ई गेल जे एहेन बात मुहसँ निकलैक माने अछि अधिक पीड़ा! मुदा ईहो आश्चर्य लगए जे एते पीड़ा बाबा झेल रहला अछि मुदा कियो देखनिहार लगमे किए ने छथिन...।

..फेर भेल जे ई तँ अन्होनी भेल। होनी तँ ओ भेल जे पीड़ाक आगमन देहमे भेलैन, तखने परिवार-जनकेँ जना दैतएथिन। जइसँ सुरक्षा कबच भेट जैतैन। मुदा से किए ने केलैन! फेर भेल जे जँ केने होथि आ परिवार-जन धियाने ने देने होइन..!

असमंजसमे पड़ि गेलौं। मुदा असमंजसोक निवारण तँ परिस्थितिये अनुकूल कएल जा सकैए। ऐठाम जे स्थिति अछि तेही अनुकूल ने उपाय कएल जा सकैए।

एकाएक मन मानि गेल जे पहिने दादीकेँ सोर पाड़ि कहै छिऐन। जखने दुनू बेकती एकठाम हेती आ गप-सप्प चलत तखने ने भाँजपर सभ चलि औत...।

उठि कऽ आँगन दिस बढ़ैत दादीकेँ कहलयैन-

“दादी, बाबा हाथसँ जा रहला अछि, से अपन जानू।”

ओना, अपना जनैत ठिकिया कऽ बाजल छेलौं मुदा हुसि गेल। हुसि ई गेल जे बाबा निविते जे हमर बात छल ओकरा दादी मोजरे ने देलैन। मुदा एकटा भेल जे दादी ससैर कऽ सेहो दरबज्जापर एली।

ओना जइ हिसाबे हमरा बाबाक कुहरब भारी बुझि पड़ए तेना दादीकेँ नइ बुझि पड़लैन। मुदा अपन बातकेँ उनटा कऽ पुछलयैन-

“दादी, बाबा केहेन बुझि पड़ै छैथ?”

जेना ठोरेपर रहैन तहिना दादी बजली-

“एहने पुरुखक बिसवास करब, हएत फोंसरी तँ कहता बड़का सतमुहाँ उल्टा गुड़ भऽ गेल अछि।”

दादीक बातक किछु मानियेँ ने लगल। मुदा अखन जेहेन घड़ी अछि तइमे चुपो रहब तँ नीक नहियेँ...। कहलयैन-

“दादी! बाबा बँचता नहि, से अपने जानी।”

ऐबेर जेना दादीक मनकेँ बेधलकैन। मनमे भेलैन जे अखन भभटपन नइ केने छैथ। पाछू उनैट बाबाक दिनका खेनाइपर नजैर दौड़ौलैन। दादीक मनमे उठलैन- भरिसक माछेक तँ ने कोनो करामात छी। दादी गुनधुन करए लगली।

तैबीच अपन मन जेना अकैछ गेल। ओना हाटोक बेर हूसल जाइत रहए, विदा होइत बाबाकेँ कहलयैन-

“बाबा, समाजक रूपमे ऐसँ बेसीक आशा नइ करू, अपन परिवार अछि, बिसवास पात्र बनि जीबू। आब हम जाइ छी।”

❑ शब्द संख्या: 808

खाँटी तेल

खाँटी तेल ओ भेल जइमे एकक अतिरिक्त दोसर-तेसरक सझिया नइ भेल। चाहे ओ बरद जोतल लकड़ीक कोल्हुक तेल होउ आकि माटिक तेल भरल इंजन जोतल लोहाक कोल्हुक। से चाहे सेरसोक हौउ आकि तोर-तोरीक आकि रच-रैंचीक। खाँटी तेल भेल। ओना, कहब जे नारियल तेलकेँ शुद्ध नइ कहबै आकि सूर्यमुखी तेलकेँ खाँटी नइ कहबै, से नहि। जैठाम बैस कऽ विचारै छी तहीठामक परिस्थितिकेँ देखि विचारब ने। जँ नारियल तेलक विचार करब तखन तँ ईहो ने बुझै पड़त जे जे फल पूजा-पाबैन धरि समटा गेल अछि ओ जँ मिथिलाक उपजाक सूचीमे रहैत तँ...। जखन कि मिथिलाक लोक सभ दिन बहुभक्षीय रहल छैथ, खाइमे कोनो एतराज नहियेँ करितैथ, मुदा तँए ओ सभ बिजनेश मेथड नइ बुझै छला सेहो बात नहियेँ अछि। एक तँ घरक मुरगी दालि बरबैर जकाँ खेतमे उपजैबतो छला आ शुद्ध आ सस्ता वौसपर अपन जिनगियो ठाढ़ केने रहला, माने ई जे अपना ऐठाम अखनो अछि आ पहिनौं छल जे सेरसो-तोरीक खाँटी तेल नारियलो तेल आ सुर्जमुखियो तेलसँ सस्ता रहल अछि। दोसर, ईहो जे सुर्जमुखीक संग मिथिलांचलमे नमहर अवरोध सेहो अछि। केतबो कोसी-कमलाक बाढ़िमे गाछी-बिरछी उपटल तैयो तँ हथिसारे छी। नअ घरक साँगह अछिए। जैठाम गाछी-बिरछीक बोन अछि जइमे रंग-रंगक सुआदक फल अछि, तेकरा के कहए जे लत्तीक फल तिलकोरोपर जे जीब सकैए ओ चिड़ै पोसब आकि ओकर बाढ़ि नइ औत सेहो तँ नहियेँ अछि, तँए सुग्गाक बाढ़ि सुरुजमुखी खेती-ले अवरोध अछि।

अपना ऐठाम रच-रैंचीसँ लऽ कऽ तोर-तोरीसँ लऽ कऽ, सेरसो तककेँ तेलहन मानल गेल अछि। तेलक जरूरत मोटा-मोटी दू ठाम होइए। खाइले आ देहमे लगबैले। ऐठाम प्रश्न शुद्ध-अशुद्धक बीच उठि जाइए। रच-रैंचीक तेल आ तोर-तोरीक संग पीरा सेरसोमे भेद भऽ जाइए। जेना- आमक अँचार, जे अधिक दिन तक रखि खाइबला वौस छी। ऐमे जेते झाँस रैची रखैए ओते झाँस सेरसोमे नहि, तहूमे पीअरका सेरसोमे, जेकरा गोट कहै छिऐ, ओ अपने सोन्हगर होइए। तहिना राहरीक दालि हुअए आकि खेरहीक, जेकरामे सोन्हपनक गुण छै ओ तँ अपने सेरसोकेँ खाँटी कहत।

भोरकी रातिमे कान कुकुआएल। कनी-कनी मीठ-मीठ दरदो करैत रहए। सुतली राति रहने घरक कोन बात जे गामे सुतले ने रहत। एहेन रातिमे केकरा कहबै। दर्द-पीड़ा मेटबैक तँ अरामो एकटा उपाय छी। यएह सोचि ओछाइने धेने रहलौं। मुदा कानक सनसनी बढ़ले गेल। जहिना सभकेँ होइ छै जे बेर-बिपैत पड़लापर नाना-नानी, दादा-दादी मन पड़ै छै तहिना हमरो भेल। नानी मन पड़ल। ओना जनम भेल हमर बपहरेमे, मुदा ई बात नानीक अखनो मन अछि जे जहाँ कान कुकुअए आकि कनसफा लऽ कऽ साफ करी, ओना हाथक कनगुरिया आँगुर कानक रिंच-पेचकश छी, मुदा इंजन साफ करैले ग्रीस-मोबिलक जरूरत होइते छै, तइले शुद्ध सेरसोक तेल नानी कानमे दऽ कऽ दरद मेटबै छेली।

‘शुद्ध सेरसो तेल’ मनमे अबिते एक मन देहमे धक्का मारैत बाजल-

“कोढ़िया नहितन! लगेमे तेलक शीशी छैन, दू बून कानमे नइ लेल होइ छैन।”

मने ने देहोक मालिक छी। उठि कऽ दू बून कानमे तेल लेलौं।

मुदा ओ रस्तेमे अँटैक गेल, ने तर जाए आ ने ऊपर आबए, दरद औरो बढ़ए लगल, मुदा से चिन्ता मनोकेँ भेलइ। पीड़ित मन बाजल-

"भाय, कानक बीचमे तेल अँटैक गेल अछि, तँए ओकरा खोरनीसँ निच्चाँ मुहेँ ठेल दिऔ। खाली भरि जेतै ऊपरसँ मकड़जाल छोड़ा देबै, अपने नानीक नीन जिनगीमे चलि औत।"

❑ शब्द संख्या: 509

दोस्ती

ऐ बेरक दहौआ बाढ़िमे गामक की दहाएल की नइ दहाएल से तँ नइ बुझै छी, मुदा भीत घरक संग बाड़ी-झाड़ीक फल-फुलवाड़ी जरूर दहाएल जे आँखिक सोझमे अछि। जे सभ देखबो करैए आ भुक्त-भोगियो अछिए। मुदा की दहाएल की नइ दहाएल आकि के दहाएल के नइ दहाएल तइसँ हमरा मतलबे की!

तीन मास टपैत-टपैत बाढ़ियोक पानि सुखल आ माटियोक बाढ़ि सुखल। सफाचट गाम भऽ गेल जइसँ देखि पड़ैए जे सौंसे गाम रस्ते बनि गेल अछि आ सभ रस्ता खेते बनि गेल अछि। ने आरि-धुरक ठेकान अछि आ ने खेत-पथारक। गाममे एकटा सात-आठ फीट ऊँच जमुनी गाछटा बँचि गेल अछि। पोखरिक जाठि बनि जहिना जामुन पानिमे ठाढ़ रहैए तहिना बुझि पड़ए लगल अछि। खाएर जे से...।

आसीनक अन्तमे पानि सुखलापर ओइ जमुनीक जड़िमे एकटा सीमक गाछ आ एकटा पोरो सागक गाछ जनमल, बीतैत कातिक ओ दुनू लत्ती बनि लतरए लगल। लतरब तँ शुरू केलक मुदा बिच्चेमे जमुनीक गाछ पड़लै। जैपर आन लत्ती जकाँ दुनूमे सँ केकरो चढ़िये ने भेलै, किएक तँ आन लत्ती जकाँ दुनूमे ने केकरो गीरह अछि आ ने गाँठ, तँए सँ सिर केना फुटत। तँए बिनु सिरेक दुनू। ओना, गिरहक सिरखार दुनूमे अछि मुदा जेहेन गीरह-गाँठसँ सिर निकलै छै तेहेन केकरो ने अछि।

गाछपर बिनु चढ़नौं दुनू बाढ़िक दहाएल गाम रहने खूब

लतरल-चतरल। एक दोसरमे मिझराइत आगू बढ़ए लगल। जइसँ दुनूमे सघनता एलइ।

कातिकक अमावसिया दिन। दीप जरत, दिवाली सजि कालीक पूजामे प्रवेश करत। बारह बजे रातिक बीतानक पछाइत जखन दिनक उठानक समय प्रवेश केलक कि पोरो लत्ती सीमकेँ कहलकै-

“दुनू जखन भाइये-बहिन छी तखन भाए-बहिनक सम्बन्ध जोड़ि किए ने हँसैत-खेलैत जिनगी जीब ली?”

धड़फड़ाएल पोरोकेँ देखि सीम बाजल-

“छेँ जे दुनू बिनु सिरेक! तखन भाए-बहिनक सम्बन्ध केते दिन चलतौ?”

❑ शब्द संख्या: 271

ओटघन पाबैन

दस साल धरि नोकरी केलाक बाद श्याम सुन्दरक मनमे जगलैन जे बहुत कमेलौं-खटेलौं, से नहि तँ ऐबेर डेढ़ मास गाममे रहि कुश उखाड़ैक दिनसँ कोजगरा तक बिताएब।

ओना, शहर-बजारमे रहनिहार लेल गामक ई समय उकड़ू मास भेल। से बुझितो श्याम सुन्दर मनमे रोपि लेला जे आन-आन सभ आन-आन स्थानमे जा-जा जल-तर्पण करबे करैए, से नहि तँ हम गाममे रहि जीवित माता-पिताक सेवो करी आ हुनके आदेशक तर्पणो किए ने करी। यएह सोचि श्याम सुन्दर धिया-पुताकेँ नेने दुनू परानी कुशी अमावस्यासँ एक दिन पहिने गाम एला। मुदा माता-पिताक अछैत कुश नइ उखाड़लैन। बीचमे आबि गेल जितिया पाबैन।

गामेक स्त्रीगण जकाँ काकीक चलती सेहो आबि गेलैन। सौंसे गाम एकबट्ट भऽ गेल जे आइ जितिया पाबैन छी, तहूमे ओहन पाबैन जे सभ पाबैनक अशुद्ध भोज्य शुद्ध भऽ पबनौट बनैए, माने माछ-मड़ुआसँ साग तक शुद्ध भाइये जाइए। श्याम सुन्दरकेँ बिनु पुछनहि काकी मटकूरमे दही पौड़ लेली आ झंझारपुरसँ चूड़ा सेहो मंगा लेली। पुतोहु किए किछु पुछितैन, तहूमे अपने दुनू परानी अराधिये कऽ माता-पिताक सेवा करए आएल छेली।

सूर्यास्त होइते पुतोहुकेँ चेतौनी दैत काकी बजली-

“कनियाँ! आइ ओटघन पाबैन हएत, जखन गाम एलौं ते सभ मिलि ने पाबैन करब।”

ओना, नानी मुहेँ पुतोहुओ सुनने जे ‘जितिया पाबैन बड़ भारी, धिया-पुताकेँ ठोकि सुतेलौं अपने खेलौं भरि थारी।’ मुदा ने कहियो केने आ ने कहियो देखने। तँए देखैक संग करैयोक विचार पुतोहु मने-मन केनहि छेली। काकी काकाकेँ कहलखिन-

“आइ पाबैन छी, दही-चूराक ओरियान कऽ नेने छी।”

दम्माक रोगी काका, ‘दही’ सुनि ललैक बजला-

“जेते दिन जीबैक अछि तेतबो दिन जीबए देब की नहि!”

बिनु किछु बजने काकी पुतोहु दिस नजैर उठौलैन। तैबीच आँखिक इशारसँ पुतोहुओ अपन पतिक ठेहुन देखबैत बजली-

“बेटा जे फलेरिया पोसने छैन।”

❑ शब्द संख्या: 275

बौआ कक्काक ढौआ

भादवक अमावसियाक कोनो लक्षण ऐबेर नइ रहल। मुदा कुशी अमावसिया तँ छीहे। भादोक अमावसियाक लक्षणक माने भेल, घनघनाइत मेघ, सनसनाइत हवा, हनहनाइत झाँट, तड़तड़ाइत बिजलोका...।

दछिनवरिया बाधसँ बौआ कक्काक संग कुशक भार कन्हापर नेने अबैत रही। दुनू गोरेक बीच गाइक कान बरबैर कुशपर चर्चा चलैत रहए। टोलमे प्रवेश करिते, पहिलुके घरवारीक सात-आठ बर्खक बच्चिया–सुनिन्दा–भार देखि बाजल-

“बौआ कक्काक ढौआ उड़ा लेलक कौआ।”

नाओं लऽ कऽ सुनिन्दा नै बाजल तँए मनमे कोनो खोंच-खरोंच किए उठत। मुदा बौआ कक्काक एकटा बात मनमे ठहैक गेल। ठहैक ई गेल जे बौआ कक्काक गिनती नीक लोकमे नइ छैन। ओना, ई कियो गौंआँ चहु अलगा बजि नइ सकै छैथ। किए तँ बौओ काका तँ अपना धुनिक लोक छथिए।

बौआ कक्काक माने कौलेजक शिक्षक, सवा लाख रुपैआ महिना दरमाहा पौनिहार। मुदा दुनियोँ तँ अथाह अछि। व्यास बाबाक विचार- जरूरतसँ बेसी संचित करब चोइर भेल- अखनो बौआ कक्काक मनकेँ ओहिना पकड़ने छैन जेना पढ़ैकाल पकड़लकैन।

अपना धुनिक बौआ काका एहेन छैथ जे एक दिन कौलेज टेम्पूसँ जाइ छला। आमक मास रहइ। रस्ते कातमे खूब नमहर

आमक गाछ छै जइमे सिनुरिया-बड़बड़िया आम सोहरी लागल फड़ल छल। सोहरी लागल आम देखि बौआ काका बाजि देलखिन-

“वाह रे गाछ!”

तैपर बगलमे बैसल दोसर यात्री टोकि देलकैन-

“अही आमकेँ एते प्रशंसा करै छी, फैजली आ सजमैनिया देखबै ते बकार नै फुटत।”

उरकुसी जकाँ बौआ काकाकेँ छुबि देलकैन। दुनू बाँहिक कुरता समटैत बजला-

“हमहीं नै देखलिऐ! जँ कौलेज नइ जाइक रहैत तँ तोरा अही टेम्पूसँ लहेरिया सरायक डाक्टर लग लऽ जैतियह आ कहबा दैतियह।”

सएह बौआ काका अपना कानसँ सुनैत कुशक भार कान्हपर नेने जा रहल छला। मुदा मनमे ठहैक रहल छेलैन सुनिन्दाक बात। ठमकल मनमे उठलैन- जे गाम छोड़ि देत ओकरो तँ गाम छोड़िये देतइ। आ जे गाम छोड़ि देत, तेकरे ने घरो कनतै आ घराड़ियो कनतै।

घरक सोझ लग अबिते बौआ काकाकेँ कहलयैन-

“काका, आब अहाँ जाउ।”

हमर बात सुनि, बौआ काका किछु बजला नहि। गुमे-सुम्मे आगू बढ़ि गेला।

❑ शब्द संख्या: 314

अठन्नी

“रामक नाओं लिअ...।”

बुढ़िया माएक आवाज सुनि नीन टुटल मुदा भक्क नै खुजल। असगरे बुढ़िया माए थैरो खड़ैत आ अपने बजबो करैत रहए। फेर दोहरबैत बाजलि-

“ह-ह अतहतह होइए किने। केकरा भल कहबै आ केकरा कुभल!”

सुनि भक्को खुजल। ओछाइनपर सँ उठि कऽ निकललौं तँ बुझि पड़ल जे बुढ़िया माए दोसरपर निशान दागि रहल छथि, घर-परिवारक बात नै छी। तँए पहिने अपन नित्यकर्मसँ निवृत भऽ जाएब उचित हएत। बिना किछु बजने विदा भेलौं।

किलो मीटर हटि कऽ पोखैर अछि। ओम्हरे टहलियो लइ छी आ दतमनि करैत आबि कुर्ड़ो-आचमन करै छी। अधबटियामे एकटा अठन्नी चमकैत देखलिऐ। मन भेल उठा ली। हाथ बढ़ेलौं मुदा लगले मन उनटि बाजल-

“सबहक बाट छिऐ, जखनि अठन्नी खसल अछि तखनि हमर केना भेल जे उठाएब। जेकर छिऐ ओ अपन उठा लेत।”

मन ठमकिते हाथ रूकि मनकेँ कहलकै-

“छी तँ जरूर हमर हाथक मैल मुदा केकरा ले। ओकरे ले ने जे हमर केलहा खाइए आ जे अनकर केलहा खाइ छै, तेकरा ले...?”

अठन्नी छोड़ि आगू बढ़ि गेलौं। पर-पैखानासँ घूमि दतमनि

करैत जखनि अबैत रही तँ देखलिऐ जे ओ अठन्नी ओहिना पड़ल छै अखनि धरि कियो उठौने नै छल। नजरि आगू बढ़ल तँ बुझि पड़ल जेना अल्मुनियाँक अठन्नी होइ। मलिन, धँसल, नाम-पता मेटाएल।

❑ शब्द संख्या: 197

गुण

“रामक नाओं लिअ...।”

बुढ़िया माएक आवाज सुनि नीन टुटल मुदा भक्क नै खुजल। असगरे बुढ़िया माए थैरो खड़ैत आ अपने बजबो करैत रहए। फेर दोहरबैत बाजलि-

“ह-ह अतहतह होइए किने। केकरा भल कहबै आ केकरा कुभल!”

सुनि भक्को खुजल। ओछाइनपर सँ उठि कऽ निकललौं तँ बुझि पड़ल जे बुढ़िया माए दोसरपर निशान दागि रहल छथि, घर-परिवारक बात नै छी। तँए पहिने अपन नित्यकर्मसँ निवृत भऽ जाएब उचित हएत। बिना किछु बजने विदा भेलौं।

किलो मीटर हटि कऽ पोखैर अछि। ओम्हरे टहलियो लइ छी आ दतमनि करैत आबि कुर्ड़ो-आचमन करै छी। अधबटियामे एकटा अठन्नी चमकैत देखलिऐ। मन भेल उठा ली। हाथ बढ़ेलौं मुदा लगले मन उनटि बाजल-

“सबहक बाट छिऐ, जखनि अठन्नी खसल अछि तखनि हमर केना भेल जे उठाएब। जेकर छिऐ ओ अपन उठा लेत।”

मन ठमकिते हाथ रूकि मनकेँ कहलकै-

“छी तँ जरूर हमर हाथक मैल मुदा केकरा ले। ओकरे ले ने जे हमर केलहा खाइए आ जे अनकर केलहा खाइ छै, तेकरा ले...?”

अठन्नी छोड़ि आगू बढ़ि गेलौं। पर-पैखानासँ घूमि दतमनि

करैत जखनि अबैत रही तँ देखलिऐ जे ओ अठन्नी ओहिना पड़ल छै अखनि धरि कियो उठौने नै छल। नजरि आगू बढ़ल तँ बुझि पड़ल जेना अल्मुनियाँक अठन्नी होइ। मलिन, धँसल, नाम-पता मेटाएल।

❑ शब्द संख्या: 196

गढ़ैनगर हाथ

ई साल जहिना सभ-ले नीक रहल तहिना हमरो-ले नीके रहल। नीक रहैक कारण भेल जे जहिना अगहनुआँ धान उपजल तहिना जेठुआ आमो फड़ल रहए जइसँ अखनो लोक अम्मट खाइते छैथ। उपजा-वाड़ी तँ सबहक छी, हमरो छी तँए नीक मुदा से नइ हमर नीकक कारण अछि ऐबेर बिआह-दुरागमन, उपनैन, मुड़न इत्यादिक लग्नक दिन। आसिने-कातिकसँ जे लगन पकड़लक ओ कनी पूसमे पतराएल, फेर जे माघसँ धेलक ओ लधले अछि, लधले कि अछि जे ऐ सालसँ ओइ साल टपा देत। मुदा जेतए जे हौउ, आब ओते केकरा छुट्टी छै जे अनकर गप सुनत। तँए हमहूँ अपने गप कहब।

तीसटा बरियाती पुडलौं। लेनी-देनी दुनू रहल। माने खरचो भेल आ खेबो केलौं। अखनो पैछला बरियातीमे खाएल कटहरक सुआदक ढकार होइते अछि। ऐ आगूमे गिट्सबला लालमोहन आ सूखा छेनाबला रसगुल्लाक हएत। किछु छी तँ मिथिलाक बरियाती छी किने, जँ अमादीक अमचुकारी-ढकार नइ भेल तँ ओइ बरियातीक गरना की भेल। मुदा जेतए जे हौउ, अनेरे अनका पाछू मगजमारी करैत रही आ ब्लड-पेसर बढ़बैत रही तइसँ नीक भरमे-सरम अपन दुख-धंधामे लागल रही से ने।

बारह मासक साल होइए मुदा तेरह मासक भेल। माने बारहो मासक अतिरिक्त बरियाती मास। मुदा मनक गदगरी अखनो धेने अछि। देखिते छिऐ सालमे एक दिन बकेनक रस पीने बरद सालो

भरि बमकैत रहैए, तहिना एक दिन शिवरातिकेँ दिन भाँग पीने जोगिया सभ फगुआ तक जोगीड़ा गबैए, आ हमर तँ मासे रहल...। तँए अपना डायरीमे लिख नेने छी, बरियाती मास।

अगते फागुनमे बोतल भाइक बिआह सेहो भेलैन। शुरूहेसँ ओइ बिआहक पाछू लगल रही। मुदा गरपर चढ़ि गेल बिआह भेल। बरियातीमे सेहो गेलौं। ओना कहैले बरियातिये रही, मुदा आन बरियातीसँ दोसर रंगक रही। दोसर रंगक माने आन बरियातीमे छेहा बरियाती रहै छेलौं जे ऐमे कनी भार रहने भरिगर रही। जहिना गारजन जकाँ बोतल भाय दिससँ रहिऐन, तहिना कन्यागतकेँ काटर छोड़बा देने रहिऐन तँए खुशी। तँए मान-दान तँ आने बरियाती जकाँ रहल मुदा पुछ-पुछरी कनी बढ़िये गेल रहए।

बिआहक मण्डपपर जखन कन्या देखलौं तँ बुझि पड़ल जे सभसँ नीक गढ़ैनगर हाथ छैन। मुदा ई तँ बिआहक गप भेल। आब तँ फागुनो उनारीपर आबि गेल अछि। मनमे उठल- जइ कन्याकेँ भौजी बना अनलौं, तइ भौजीक मुँह-कान कहाँ देखलौं?

बेरुका समए। बोतल भाइक अँगना गेलौं तँ देखलयैन बोतल भाय दुनू नवका-नवकी माने दुनू परानी अपन-अपन पैछला जिनगीक खिस्सा एक दोसरकेँ सुनियोँ रहल छैथ आ सुनैबतो छथिन..।

हमरा कोन जरूरत अछि जे हुनकर दुनू बेकतीक फदका-फदकी सुनी। अहिना सभ कहै छै जे दुनू परानी राजा-रानी भेलौं, दुनियाँकेँ चलबैक भार अपने दुनू गोरेक कन्हापर अछि। ओना भौजियो बोतल भायकेँ देखि-देखि मुस्की मारैत रहैथ आ बोतल भाय कखनो-कखनो ठहक्का मारि लैथ।

अपना दुनू परानीमे बोतल भाय जे करैथ ओ तँ हुनकर

अधिकार छिऐन। मुदा हमरा देखिते पत्नीकेँ सुमझबैत बजला-

“जहिना हमर पत्नी छैथ तहिना तँ तोरो भौजाइए भेलखुन, आब अपन परिछा लैह।”

अपन भार हटबैत बोतल भाय कात भऽ गेला। भौजीकेँ की पुछयैन से अकबका गेलौं। तीन रूपमे भौजी ठाढ़, कन्याक रूपमे, जखन बिआहक विचार उठल, दोसर रुपैआक लेन-देनमे सभ भूषण-दूषण बनि प्रदूषण बनि गेल अछि आ अखन सोझहामे भौजी बनल छैथ...।

मनमे उठल अनेरे जे किछु पुछबैन आकि कहबैन तइसँ नीक अपन बात अपने-मुहेँ ने किए बजबाएब...।

कहलयैन-

“भौजी, अहाँक अपन कोन चीज सभसँ नीक गढ़ैनगर बुझि पड़ैए?”

भौजी बजली-

“बौआ, अपन मुँह-आँखि तँ अपने नइ देखै छी मुदा हाथक गढ़ैनगर नइ छी, सेहो मन कहाँ मानैए।”

❑ शब्द संख्या: 529

सासुरक गारि

ऐ बुढ़ाड़ीमे एकटा मुसहैन भेटल। मुसहनियोँ केते रंगक होइ छै, सोना-चानीबला घरक मुसहैन सोना-चानी होइ छै, धान-चाउरक घरमे धान-चाउर होइ छइ। नून-तेल दोकान घरक अल्लू-पियजु होइ छै तँ किताबक घरमे पन्नासँ पुरजी होइ छइ। जे होउ, मुदा बुढ़ाड़ीओमे सासुरक रस भेटल तँए खुशी तँ अछिए। रसो कि रस जकाँ भेटल बरहमसिया आम जकाँ भेटल। सभ दिन चटनी सभ दिन गाड़ा।

नमहर मुसहैन भेटने मन तेते खुशी भऽ गेल जे आगू खुनबे छोड़ि देलौं। किए ने छोड़ितौं, राशि-राशिक तेते रास भेट गेल जे रखितौं केतए जेतबे घरमे जगह रहत तेतबे ने टीबी-भीडीओ रखब, नै तँ सिदहाक चाउर आ नूनक पैकेट काँटी ठोकि कऽ देवालमे नै टाँगए पड़त।

मुसहैन ई भेटल जे एक तँ जेठ मासक गरमी तैपर सिनुरिया आ गुलाब खासक सिनुराएल सिरक मांगक संग मचकी परहक बरहमसिया गारि।

अखन तक यएह बुझै छेलौं जे अहिना सासुरमे गारि-गरौबैल होइ छै मुदा ऐबेर भाँजपर चढ़ल जे दू-दिसिया गारि छी। एक दिस गारि ओहन होइए जे बढ़ैत-बढ़ैत कपर-फुटौबैल भऽ जाइए आ दोसर गड़ुआ गारि हेतेन होइए जे कपार-फुटौबैल नै भऽ कपर मिलौबैल भऽ जाइए। जखने जागी तखने परात, जँ बुढ़ाड़ीओमे बुझलौं तँ बुझलौं तँ। ❑ शब्द संख्या: 181

खिचड़ी मोछ

जहिना सभ अपन-अपन गाममे रहै छी तहिना हमहूँ अपना गाममे रहै छी, मुदा कियो (माने लोक) मोजर नइ दइए। जहिना हमरा नइ मोजर दइए तहिना हमहूँ ने मोजर दइ छिऐ। अहाँ सभकेँ कि अछि से तँ अहाँ सभ जानी मुदा हम अपन बात कहलौं। कहू जे लोकेक मोजर देने केकरो मोजर हएत, मोजर ते आमो-लीची आ जीमरोमे होइए। तँए तीनू एक्के भेल। आमक मोजरमे हाथ-हाथ भरीक आम फड़ैए, लीचीक मोजरमे तँ ओंगरियो जकाँ बीआबला फल फड़ैए आ जीमरक मोजरमे कि फड़ैए? गोटे-आधे जँ अमरा जकाँ फड़ो हएत तँ ने ओइमे गुद्दा छै आ ने रस..!

गाममे एकटा घटना भेल। घटना कि भेल जे एकटा तेरह-चौदह बर्खक छौड़ा एगारह-बारह बर्खक छौड़ीक संग राता-राती गामसँ पड़ा गेल। ओना, सभ एहेन काजकेँ घटने कहै छै मुदा हम एकरा किछु ने बुझै छी। किछु ने बुझैक कारण अछि जे यएह समाज एहेन काजकेँ धिया-पुताक खेलो बुझैए आ उच्च कोटिक इज्जतो। जँ बुढ़-बुढ़ानुसक भेल तँ ओ भेल बुड़हाक भँसियाएब। एहेन काज आइये नहि, सभ दिने होइत आबि रहल अछि।

जैठाम जाति-जातिक सीमा हुअए आकि धर्म-धर्मक, सभ जोताइत-चौकियाइत आबि रहल अछि, आ समाज ओहिना ठाढ़ भेल मुँह देखैए। भाय, जँ समाजमे छी समाज ठाढ़ अछि, ओकरा ठाढ़ रखैक जिम्मा तँ हमरे-अहाँक ने काज भेल।

गामक कोनो घटना भेल, तँ गाममे पसैरते अछि। सुतिकऽ

उठले रही कि मनमोहनवाली भौजी हँसैत आबि बजली- “बौआ, एकटा बड़ भारी बात भेल।”

भौजीक बात सुनिते मन चौंकल। एक तँ सुतिकऽ उठल रही, जिराएल मन रहबे करए। बड़ भारी बात की भेल? बातो तँ बात छी, काज थोड़े छी जे भारी-हल्लुक हएत। बजलौं-

“माथपर उठैबला अछि कि सांगि लगबए पड़त?”

पाशा बदैल भौजी बजली-

“अहाँ तँ अहिना तेते ने बातकेँ खोंचारै छिऐ जे मुरदा जकाँ खोंचसँ रूइयाँ तँ उड़बे करै छै जे तैसंग चमरो सभ उड़ए लगै छै।”

एक तँ ओछाइनेपर रही, उठलो ने रही तहीकालक बात छी। मनमे उठल अनेरे बाते-बातमे सुतले रहि जाइ से नीक नहि। बजलौं-

“भौजी एना अलंकार किए गढ़ै छी, सोझ-साझ कहू ने।”

जेना चंसगर विद्यार्थी भेटने शिक्षकक मन खुशी होइ छैन तहिना भौजियोक मन खुशी भेलैन। बजली-

“किशोरबा आ रधिया रातिमे पड़ा गेल..!”

जहिना आगूमे ठाढ़ काज देखि कर्ताक जिज्ञासा बढ़ै छै तहिना अपनो जिज्ञासा बढ़ल। उठलौं, नित्यकर्मसँ निवृत होइत घरसँ निकैल चौक दिस विदा भेलौं। बीचक रस्तामे यहए घौंचाल होइत। कियो बजैत- ‘अतहतह होइए..!’, तँ कियो बजैत- ‘आब गाम नइ रहत..!’

कोनो भाँजे ने बुझिऐ जे की भऽ गेल अछि। मुदा गर अँटल। तीन-चारिटा जनिजाति एकठाम यहए गप्प करैत जे किशोरबा रधिया लऽ कऽ उड़ि गेल।

पैछला सभ बात तँ नइ सुनलौं मुदा ‘उड़ि गेल’, से तँ सुनबे

केलौं। पुछलयैन- “की उड़ि गेल?”

ओना, अपना-अपनीकेँ तीनू गोरे बाजए चाहली मुदा मनाही करैत बजलौं-

“एक्के गोरे बाजू मुदा सोझरा कऽ बाजू।”

एक गोरे बजली-

“किशोरो आ रधियो एक्के इस्कूलमे पढ़ै छेलै, दुनू अपनामे लटपटा गेल, राता-राती दुनू पड़ा गेल।”

बजलौं किछु ने। चौकपर अबिते देखलिऐ जे लोकगर चौक अछि। ललैक कऽ बजलौं-

“जखन किशोरो आ रधियोक दिल मिललै आ घरसँ चलि गेल तखन अनेरे केकरो दिल दुखाबी से नीक नहि।”

ले-बलैया मुरदा जकाँ चारूभरसँ कौआ जकाँ सभ लुझए लगल। कियो किछु तँ कियो किछु बजैत। शूमा देखि बुझि पड़ल जे ई तँ केकर दिनक पइर भऽ गेल। ‘कुत्ता केकरो आ किदैन देखए कोय।’ अनेरे कोन लपौड़ीमे पड़ए चाहै छी।

तही बीच मनो गवाही देलक- समाजक खिचड़ी मोछकेँ एकरंगा बनैमे समय लगत।

चुप भऽ गेलौं। मुदा मन चुप रहैले मानि नइ रहल अछि।

❑ शब्द संख्या: 552

जगदीश प्रसाद मण्डलजीक

2004 सँ 2023 इस्वी धरिक गद्य लेखन क्रम:

1. भैंटक लावा- शब्द संख्या: 3100, 2. बिसाँढ़- शब्द संख्या: 2516, 3. पीरारक फड़- शब्द संख्या: 2064, 4. अनेरुआ बेटा- शब्द संख्या: 3369, 5. दूटा पाइ- शब्द संख्या: 3294, 6. बोनिहारिन मरनी- शब्द संख्या: 3412, 7. हारि-जीत- शब्द संख्या: 2373, 8. ठेलाबला- शब्द संख्या: 2572, 9. जीविका- शब्द संख्या: 3655, 10. रिक्साबला- शब्द संख्या: 3963, 11. चुनवाली- शब्द संख्या: 2452, 12. डीहक बटबारा- शब्द संख्या: 4789, 13. भैयारी- शब्द संख्या: 4026, 14. बहिन- शब्द संख्या: 2688, 15. घरदेखिया- शब्द संख्या: 4021, 16. पछताबा- शब्द संख्या: 2663, 17. डाक्टर हेमन्त- शब्द संख्या: 4407, 18. बाबी- शब्द संख्या: 2167, 19. कामिनी- शब्द संख्या: 2289, 20. मौलाइल गाछक फूल (उपन्यास): पहिल पड़ाव- शब्द संख्या: 3338, 21. दोसर पड़ाव- शब्द संख्या: 2694, 22. तेसर पड़ाव- शब्द संख्या: 5466, 23. चारिम पड़ाव- शब्द संख्या: 4554, 24. पाँचम पड़ाव- शब्द संख्या: 4396, 25. छठम पड़ाव- शब्द संख्या: 2906, 26. सातम पड़ाव- शब्द संख्या: 2465, 27. आठम पड़ाव- शब्द संख्या: 3633, 28. नअम पड़ाव- शब्द संख्या: 4580, 29. दसम पड़ाव- शब्द संख्या: 2478, 30. एगारहम पड़ाव- शब्द संख्या: 3365, 31. बारहम पड़ाव- शब्द संख्या: 3770, 32. तेरहम पड़ाव- शब्द संख्या: 3095, 33. मिथिलाक बेटी (नाटक): पहिल अंक- शब्द संख्या: 6171, 34. दोसर अंक- शब्द संख्या: 3851, 35. तेसर अंक- शब्द संख्या: 3392, 36. चारिम अंक- शब्द संख्या: 2652, 37. पाँचम अंक- शब्द संख्या: 1667, 38. जिनगीक जीत (उपन्यास): पहिल पड़ाव- शब्द संख्या: 2652, 39. दोसर पड़ाव- शब्द संख्या: 2410, 40. तेसर पड़ाव- शब्द संख्या: 1260, 41. चारिम पड़ाव- शब्द संख्या: 2926, 42. पाँचम पड़ाव- शब्द संख्या: 2453, 43. छठम पड़ाव- शब्द संख्या: 2017, 44. सातम पड़ाव- शब्द संख्या: 4807, 45. आठम पड़ाव- शब्द संख्या: 3125, 46. नअम पड़ाव- शब्द संख्या: 4937, 47. दसम पड़ाव- शब्द संख्या: 3127, 48. एगारहम पड़ाव- शब्द संख्या: 2834, 49. बारहम पड़ाव- शब्द संख्या:

1980, 50. तेरहम पड़ाव- शब्द संख्या: 1359, 51. चौदहम पड़ाव- शब्द संख्या: 1278, 52. पन्द्रहम पड़ाव- शब्द संख्या: 9314, 53. उत्थान-पतन (उपन्यास): पहिल पड़ाव (क)- शब्द संख्या: 1105, 54. पहिल पड़ाव (ख) शब्द संख्या: 332, 55. पहिल पड़ाव (ग) शब्द संख्या: 709, 56. दोसर पड़ाव- शब्द संख्या: 3349, 57. तेसर पड़ाव- शब्द संख्या: 4651, 58. चारिम पड़ाव- शब्द संख्या: 3359, 59. पाँचम पड़ाव- शब्द संख्या: 2869, 60. छठम पड़ाव- शब्द संख्या: 1842, 61. सातम पड़ाव- शब्द संख्या: 2278, 62. आठम पड़ाव- शब्द संख्या: 2822, 63. नअम पड़ाव- शब्द संख्या: 3719, 64. दसम पड़ाव- शब्द संख्या: 1923, 65. एगारहम पड़ाव- शब्द संख्या: 2887, 66. बारहम पड़ाव- शब्द संख्या: 3467, 67. तेरहम पड़ाव- शब्द संख्या: 3847, 68. चौदहम पड़ाव- शब्द संख्या: 3709, 69. पन्द्रहम पड़ाव- शब्द संख्या: 1640, 70. जीवन-संघर्ष (उपन्यास): पहिल पड़ाव- शब्द संख्या: 7699, 71. दोसर पड़ाव- शब्द संख्या: 6539, 72. तेसर पड़ाव- शब्द संख्या: 4703, 73. चारिम पड़ाव- (क) शब्द संख्या: 5532, 74. चारिम पड़ाव- (ख) शब्द संख्या: 1944, 75. चारिम पड़ाव- (ग) शब्द संख्या: 2373, 76. चारिम पड़ाव- (घ) शब्द संख्या: 1793, 77. चारिम पड़ाव- (ङ) शब्द संख्या: 1609, 78. पाँचम पड़ाव- शब्द संख्या: 3811, 79. जीवन-मरण (उपन्यास): पहिल पड़ाव- शब्द संख्या: 14981, 80. दोसर पड़ाव- शब्द संख्या: 7903, 81. स्रष्टाक समग्र रचना- शब्द संख्या: 137, 82. प्रतिभा- शब्द संख्या: 154, 83. मर्म- शब्द संख्या: 142, 84. अधखरूआ- शब्द संख्या: 255, 85. समैयक बेरबादी- शब्द संख्या: 213, 86. पहिने तप तखनि ढलिहैं- शब्द संख्या: 084, 87. खलीफा उमरक सिनेह- शब्द संख्या: 165, 88. जखने जागी तखने परात- शब्द संख्या: 103, 89. अस्तित्वक समाप्ति- शब्द संख्या: 218, 90. खजाना- शब्द संख्या: 388, 91. उग्रधारा- शब्द संख्या: 328, 92. बेवहारिक- शब्द संख्या: 218, 93. समर्पण- शब्द संख्या: 149, 94. उत्थान-पतन- शब्द संख्या: 138, 95. देवता- शब्द संख्या: 232, 96. पाप आ पुण्य- शब्द संख्या: 218, 97. परख- शब्द संख्या: 129, 98. आलसी- शब्द संख्या: 136, 99. प्रेम- शब्द संख्या: 293, 100. हैरियट स्टो- शब्द संख्या: 137, 101. बुझैक ढंग- शब्द संख्या: 142, 102. श्रमिकक इज्जत- शब्द संख्या: 093, 103. वंश- शब्द संख्या: 074, 104. तियाग- शब्द संख्या: 145, 105. सद्विचार- शब्द संख्या: 184, 106. साहस- शब्द संख्या: 103, 107. बरदास- शब्द संख्या: 133, 108. भूल- शब्द संख्या: 139, 109. धैर्य- शब्द संख्या: 099, 110. मनुखक मूल्य- शब्द संख्या: 099, 111. मदति नै चाही- शब्द संख्या: 209, 112. मेहनतिक दरद- शब्द संख्या: 281, 113. मैक्सिम गोर्की- शब्द संख्या: 146,

114. मूलधन- शब्द संख्या: 174, 115. कपटी मित- शब्द संख्या: 281, 116. भीख- शब्द संख्या: 118, 117. भगवान- शब्द संख्या: 098, 118. एकाग्रचित- शब्द संख्या: 261, 119. सीखैक जिज्ञासा- शब्द संख्या: 101, 120. अनुभव- शब्द संख्या: 092, 121. आसिरवादक विरोध- शब्द संख्या: 088, 122. धर्मक असल रूप- शब्द संख्या: 120, 123. सौन्दर्य- शब्द संख्या: 138, 124. स्तब्ध- शब्द संख्या: 257, 125. एकता- शब्द संख्या: 236, 126. विधवा बिआह- शब्द संख्या: 176, 127. देश सेवाक व्रत- शब्द संख्या: 134, 128. आत्मबल- 1- शब्द संख्या: 110, 129. स्वाभिमान- शब्द संख्या: 121, 130. कलंक- शब्द संख्या: 429, 131. बुलकी- शब्द संख्या: 129, 132. भद्रपुरुष- शब्द संख्या: 173, 133. झूठ नै बाजब- शब्द संख्या: 103, 134. आर्दश माए- शब्द संख्या: 097, 135. नारी सम्मान- शब्द संख्या: 100, 136. अनुशासन- शब्द संख्या: 190, 137. सादा जिनगी- शब्द संख्या: 127, 138. विचारक उदय- शब्द संख्या: 072, 139. पुष्ट इकाइसँ समर्थराष्ट बनैत- शब्द संख्या: 102, 140. डर नै करी- शब्द संख्या: 119, 141. आसिरवाद उलैट गेल- शब्द संख्या: 223, 142. रत्न गमेवाक दुख- शब्द संख्या: 226, 143. निशाँ- शब्द संख्या: 194, 144. सामना- शब्द संख्या: 124, 145. शिष्टाचार- शब्द संख्या: 171, 146. ठक- शब्द संख्या: 115, 147. पत्नीक अधिकार- शब्द संख्या: 128, 148. शिनीची सिनेह- शब्द संख्या: 211, 149. सिखबैक उपय- शब्द संख्या: 171, 150. कर्तव्यपरायन सुगा- शब्द संख्या: 171, 151. तस्वीर- शब्द संख्या: 134, 152. मितक प्रयोजन- शब्द संख्या: 359, 153. स्वार्थपूर्ण विचार- शब्द संख्या: 121, 154. संगीक महत- शब्द संख्या: 130, 155. उपहास- शब्द संख्या: 196, 156. महादान- शब्द संख्या: 176, 157. भाग्यवाद- शब्द संख्या: 171, 158. सद्वृति- शब्द संख्या: 150, 159. आश्रम नहि सोभाव बदली- शब्द संख्या: 281, 160. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 255, 161. नैष्ठिक सुधन्वा- शब्द संख्या: 274, 162. सद्गृहस्त- शब्द संख्या: 195, 163. सद्भाव- शब्द संख्या: 134, 164. आलस्य वनाम पिशाच- शब्द संख्या: 302, 165. स्वर्ग आ नर्क- शब्द संख्या: 265, 166. यथार्थक बोध- शब्द संख्या: 115, 167. विद्वताक मद- शब्द संख्या: 165, 168. अनन्त- शब्द संख्या: 128, 169. हँसैत लहास- शब्द संख्या: 184, 170. अनगढ़ चेतना- शब्द संख्या: 162, 171. सत्य विद्या- शब्द संख्या: 108, 172. समता- शब्द संख्या: 165, 173. जेते चोट तेते सक्कत- शब्द संख्या: 116, 174. परिष्कार- शब्द संख्या: 198, 175. कथनी नै करनी- शब्द संख्या: 176, 176. शालीनता- शब्द संख्या: 157, 177. मजूरी- शब्द संख्या: 140, 178. जीवन यात्रा- शब्द संख्या: 145, 179. ज्योति- शब्द संख्या: 081, 180. पवनक विवेक- शब्द संख्या: 180, 181. आत्मबल-

2- शब्द संख्या: 105, 182. खुदीराम बोस- शब्द संख्या: 172, 183. शिष्यकेँ शिक्षेटा नै परीक्षो- शब्द संख्या: 187, 184. लौह पुरुष- शब्द संख्या: 124, 185. जंग लगल- शब्द संख्या: 150, 186. जीवकक परीछा- शब्द संख्या: 117, 187. तप- शब्द संख्या: 162, 188. उल्टा अर्थ- शब्द संख्या: 203, 189. जाति नहि पानि- शब्द संख्या: 142, 190. ऊँच-नीच- शब्द संख्या: 206, 191. पागलखाना- शब्द संख्या: 223, 192. कम्प्रोमाइज (नाटक): पहिल- शब्द संख्या: 982, 193. दोसर- शब्द संख्या: 463, 194. तेसर- शब्द संख्या: 697, 195. चारिम- शब्द संख्या: 1373, 196. पाँचम - शब्द संख्या: 778, 197. छठम- शब्द संख्या: 836, 198. सातम- शब्द संख्या: 1375, 199. आठम- शब्द संख्या: 1233, 200. नअम- शब्द संख्या: 1100, 201. दसम- शब्द संख्या: 1042, 202. एगारहम- शब्द संख्या: 1055, 203. बारहम- शब्द संख्या: 1027, 204. तेरहम- शब्द संख्या: 1019, 205. नै धाड़ैए (उपन्यास), पहिल पड़ाव- शब्द संख्या: 2359, 206. दोसर पड़ाव- शब्द संख्या: 3037, 207. तेसर पड़ाव- शब्द संख्या: 1633, 208. चारिम पड़ाव- शब्द संख्या: 10284, 209. पाँचम पड़ाव- शब्द संख्या: 1590, 210. झमेलिया बिआह (नाटक): पहिल- शब्द संख्या: 695, 211. दोसर- शब्द संख्या: 793, 212. तेसर- शब्द संख्या: 663, 213. चारिम- शब्द संख्या: 1184, 214. पाँचम- शब्द संख्या: 1222, 215. छठम- शब्द संख्या: 1114, 216. सातम- शब्द संख्या: 2082, 217. आठम- शब्द संख्या: 1566, 218. नअम- शब्द संख्या: 1266, 219. बड़की बहिन (उपन्यास) पहिल पड़ाव: शब्द संख्या: 4940, 220. दोसर पड़ाव: शब्द संख्या: 6692, 221. तेसर पड़ाव: शब्द संख्या: 3769, 222. चारिम पड़ाव: शब्द संख्या: 5554, 223. पाँचम पड़ाव: शब्द संख्या: 3250, 224. रत्नाकर डकैत (नाटक): पहिल- शब्द संख्या: 807, 225. दोसर- शब्द संख्या: 1361, 226. तेसर- शब्द संख्या: 1240, 227. चारिम- शब्द संख्या: 1084, 228. पाँचिम- शब्द संख्या: 860, 229. छठिम- शब्द संख्या: 267, 230. भादवक आठ अन्हार (उपन्यास, अपूर्ण): पहिल अंक- शब्द संख्या: 1149, 231. सधबा-विधबा (उपन्यास, अपूर्ण): पहिल अंक- शब्द संख्या: 3122, 232. स्वयंवर (नाटक): पहिल अंक- शब्द संख्या: 1671, 233. दोसर अंक- शब्द संख्या: 2774, 234. तेसर अंक- शब्द संख्या: 1506, 235. चारिम अंक- शब्द संख्या: 1185. 236. सतमाए (एकांकी): पहिल दृश्य- शब्द संख्या: 879, 237. दोसर दृश्य- शब्द संख्या: 711, 238. तेसर दृश्य- शब्द संख्या: 823, 239. चारिम दृश्य- शब्द संख्या: 895, 240. पाँचम दृश्य- शब्द संख्या: 273, 241. कल्याणी (एकांकी): पहिल दृश्य- शब्द संख्या: 827, 242. दोसर दृश्य- शब्द संख्या: 697, 243. तेसर दृश्य-

शब्द संख्या: 683, 244. चारिम दृश्य- शब्द संख्या: 1140, 245. पाँचम दृश्य- शब्द संख्या: 622, 246. समझौता (एकांकी): पहिल दृश्य- शब्द संख्या: 682, 247. दोसर दृश्य- शब्द संख्या: 610, 248. तेसर दृश्य- शब्द संख्या: 637. 249. तामक तमघैल (एकांकी) पहिल दृश्य- शब्द संख्या: 1000, 250. दोसर दृश्य- शब्द संख्या: 1105, 251. तेसर दृश्य- शब्द संख्या: 1949, 252. चारिम दृश्य- शब्द संख्या: 1105, 253. बिरांगना (एकांकी): पहिल दृश्य- शब्द संख्या: 1021, 254. दोसर दृश्य- शब्द संख्या: 975, 255. तेसर दृश्य- शब्द संख्या: 996, 256. चारिम दृश्य- शब्द संख्या: 1094, 257. दोहरी मारि- शब्द संख्या: 1368, 258. केना जीब? - शब्द संख्या: 1039, 259. नवान- शब्द संख्या: 2306, 260. तिलासंक्रान्तिक लाइ- शब्द संख्या: 2056, 261. भाइक सिनेह- शब्द संख्या: 1201, 262. प्रेमी- शब्द संख्या: 2526, 263. बपौती सम्पैत- शब्द संख्या: 2350, 264. डंका- शब्द संख्या: 2401, 265. संगी- शब्द संख्या: 1849, 266. ठकहरबा- शब्द संख्या: 2349, 267. अतहतह- शब्द संख्या: 2486, 268. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 3057, 269. ऑपरेशन- शब्द संख्या: 1616, 270. धर्मनाथ- शब्द संख्या: 1968, 271. सरोजनी- शब्द संख्या: 1810, 272. सुभद्रा- शब्द संख्या: 1922, 273. सोनमाकाका- शब्द संख्या: 1572, 274. दोती बिआह- शब्द संख्या: 1822, 275. पड़ाइन- शब्द संख्या: 1970, 276. केतौ नै- शब्द संख्या: 1203, 277. बिहरन- शब्द संख्या: 3300, 278. मायराम- शब्द संख्या: 2095, 279. गोहिक शिकार- शब्द संख्या: 2152, 280. मातृभूमि- शब्द संख्या: 1048, 281. भबडाह- शब्द संख्या: 2105, 282. परिवारक प्रतिष्ठा- शब्द संख्या: 1974, 283. फॉगु- शब्द संख्या: 2134, 284. लफ साग- शब्द संख्या: 1203, 285. तिलकोरक तरुआ- शब्द संख्या: 1835, 286. एकोटा ने- शब्द संख्या: 1149, 287. धोतीक मान- शब्द संख्या: 480, 288. साझी- शब्द संख्या: 998, 289. सतभैंया पोखैर- शब्द संख्या: 2999, 290. न्याय चाही- शब्द संख्या: 1311, 291. पनियाहा दूध- शब्द संख्या: 2152, 292. कर्ज- शब्द संख्या: 2949, 293. परदेशी बेटी- शब्द संख्या: 2515, 294. मान- शब्द संख्या: 648, 295. मनोरथ- शब्द संख्या: 1161, 296. कियो ने- शब्द संख्या: 3780, 297. सूदि भरना- शब्द संख्या: 922, 298. जन्मतिथि- शब्द संख्या: 2370, 299. इमानदार घूसखोर- शब्द संख्या: 2267, 300. पटियाबला- शब्द संख्या: 2395, 301. सनेस- शब्द संख्या: 1284, 302. उलबा चाउर- शब्द संख्या: 2630, 303. बलजोर- शब्द संख्या: 2410, 304. बेटी हम अपराधी छी- शब्द संख्या: 3341, 305. बगबाइर- शब्द संख्या: 1900, 306. मुइलो बिसेबैन- शब्द संख्या: 4288, 307. सड़ल

दारीम- शब्द संख्या: 2577, 308. चुप्पा पाल- शब्द संख्या: 2572, 309. मइटुग्गर- शब्द संख्या: 9811, 310. शम्भुदास- शब्द संख्या: 9674, 311. फाँसी- शब्द संख्या: 10487, 312. कचोट- शब्द संख्या: 315, 313. काँच सूत- शब्द संख्या: 384, 314. बुधनी दादी- शब्द संख्या: 267, 315. खिलतोड़- शब्द संख्या: 395, 316. मुँह-कान- शब्द संख्या: 213, 317. अनदिना- शब्द संख्या: 307, 318. अपन काज- शब्द संख्या: 367, 319. दूरी- शब्द संख्या: 265, 320. पुरनी भौजी- शब्द संख्या: 117, 321. छुटि गेल- शब्द संख्या: 111, 322. काल्हि दिन- शब्द संख्या: 151, 323. अप्पन हारि- शब्द संख्या: 286, 324. कनफुसकी- शब्द संख्या: 132, 325. मुँहक बात मुहेँमे- शब्द संख्या: 134, 326. कनीटा बात- शब्द संख्या: 101, 327. गति-गुद्दा- शब्द संख्या: 250, 328. बिसवास- शब्द संख्या: 316, 329. कचहरिया भाय- शब्द संख्या: 270, 330. गोहाइर- शब्द संख्या: 432, 331. शिवजीक डाक-बाक्- शब्द संख्या: 070, 332. सोग- शब्द संख्या: 341, 333. पनचैती- शब्द संख्या: 195, 334. कनमन- शब्द संख्या: 323, 335. अजाति- शब्द संख्या: 090, 336. पटोर- शब्द संख्या: 409, 337. फुसियाह- शब्द संख्या: 311, 338. गति-मुक्ति- शब्द संख्या: 238, 339. चौकीदारी- शब्द संख्या: 442, 340. झगड़ाउ-झोटैला- शब्द संख्या: 243, 341. घबाह ट्यूशन- शब्द संख्या: 244, 342. दादी-माँ- शब्द संख्या: 411, 343. पटोटन- शब्द संख्या: 350, 344. मुसाइ पण्डित- शब्द संख्या: 568, 345. भरमे-सरम- शब्द संख्या: 233, 346. देखल दिन- शब्द संख्या: 441, 347. फज्झैत- शब्द संख्या: 401, 348. अकास दीप- शब्द संख्या: 235, 349. बुधि-बधिया- शब्द संख्या: 267, 350. पहाड़क बेथा- शब्द संख्या: 216, 351. उमकी- शब्द संख्या: 321, 352. बजन्ता-बुझन्ता- शब्द संख्या: 147, 353. चर्मरोग- शब्द संख्या: 571, 354. शंका- शब्द संख्या: 325, 355. ओसार- शब्द संख्या: 210, 356. छोटका काका- शब्द संख्या: 398, 357. सीमा-सरहद- शब्द संख्या: 200, 358. रमैत जोगी बोहैत पानि- शब्द संख्या: 253, 359. गंजन- शब्द संख्या: 178, 360. सजए- शब्द संख्या: 090, 361. घटक बाबा- शब्द संख्या: 335, 362. आने जकाँ- शब्द संख्या: 046, 363. दान-दछिना- शब्द संख्या: 151, 364. उड़हैड़- शब्द संख्या: 504, 365. मत्हानि- शब्द संख्या: 258, 366. मेकचो- शब्द संख्या: 216, 367. झुटका विदाइ- शब्द संख्या: 359, 368. मुँहक खतियान- शब्द संख्या: 278, 369. कोसलिया- शब्द संख्या: 234, 370. हूसि गेल- शब्द संख्या: 204, 371. पोखला कटहर- शब्द संख्या: 154, 372. सरही सौबजा- शब्द संख्या: 269, 373. तेरहो करम- शब्द संख्या: 322, 374. डुमैत जिनगी- शब्द संख्या: 286, 375. चोर-सिपाही- शब्द

संख्या: 202, 376. दूधबला- शब्द संख्या: 275, 377. टाइपिस्ट- शब्द संख्या: 263, 378. समदाही- शब्द संख्या: 295, 379. बुढ़िया दादी- शब्द संख्या: 332, 380. एक धाप जमीन- शब्द संख्या: 2505, 381. ओझरी- शब्द संख्या: 1970, 382. मुसहैन- शब्द संख्या: 2742, 383. केलवारी- शब्द संख्या: 2685, 384. स्वरोजगार- शब्द संख्या: 2388, 385. घूर- शब्द संख्या: 2812, 386. कनियाँ-पुतरा- शब्द संख्या: 2335, 387. वारंट- शब्द संख्या: 1638, 388. गामक मुँह फेर देखब- शब्द संख्या: 3073, 389. पेटगनाह- शब्द संख्या: 236, 390. जनक हाथे खेती- शब्द संख्या: 338, 391. मूसक घटक- शब्द संख्या: 382, 392. ग्लानि- शब्द संख्या: 295, 393. गरियबैक समय- शब्द संख्या: 390, 294. दोस्ती नै धाड़ैए- शब्द संख्या: 553, 395. कलंक- शब्द संख्या: 542, 396. भभटपन- शब्द संख्या: 808, 397. खाँटी तेल- शब्द संख्या: 509, 398. दोस्ती- शब्द संख्या: 271, 399. ओटघन पाबैन- शब्द संख्या: 275, 400. बौआ कक्काक ढौआ- शब्द संख्या: 314, 401. अठन्नी- शब्द संख्या: 197, 402. गुण- शब्द संख्या: 196, 403. गढ़ैनगर हाथ- शब्द संख्या: 529, 404. सासुरक गारि- शब्द संख्या: 181, 405. खिचड़ी मोछ- शब्द संख्या: 552, 406. अवतारवाद- शब्द संख्या: 2113, 407. संस्कार आ संस्कार गीत- शब्द संख्या: 1545, 408. वर्चस्ववादी संस्कृति बनाम हाशियाक समाजक संघर्ष- शब्द संख्या: 2090, 409. अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन गुवाहाटी- शब्द संख्या: 888, 410. सगर राति दीप जरयक कथागोष्ठीक मादे- शब्द संख्या: 1742, 411. वेब प्रोग्राम- शब्द संख्या: 2318, 412. महाकवि लालदास- शब्द संख्या: 933, 413. भाय राजनन्दन लाल दासजीक जीवन यात्रा- शब्द संख्या: 1536, 414. मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा- शब्द संख्या: 373, 415. उपन्यासमे ग्रामीण चित्रण- शब्द संख्या: 1567,

416. पाइक मोल- शब्द संख्या: 2412, तिथि: 22 दिसम्बर 2013

417. चोरूक्का झगड़ा- शब्द संख्या: 538, तिथि: 24 दिसम्बर 2013

418. अपसोच- शब्द संख्या: 548, तिथि: 26 दिसम्बर 2013

419. पतझाड़- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 31 दिसम्बर 2013

419. झीसीक मजा- शब्द संख्या: 453, तिथि: 1 जनवरी 2014

420. मति-गति- शब्द संख्या: 1807, तिथि: 07 जनवरी 2014

421. रिजल्ट- शब्द संख्या: 2343, तिथि: 16 जनवरी 2014

422. अपन सन मुँह- शब्द संख्या: 5696, तिथि: 25 जनवरी 2014

423. सुमति- शब्द संख्या: 3072, तिथि: 30 जनवरी 2014

424. फेर पुछबैन- शब्द संख्या: 346, तिथि: 31 जनवरी 2014

425. माघक घूर- शब्द संख्या: 1683, तिथि: 06 फरवरी 2014

426. खर्च- शब्द संख्या: 330, तिथि: 07 फरवरी 2014

427. अखरा-दोखरा- शब्द संख्या: 342, तिथि: 10 फरवरी 2014

428. पेटगनाह- शब्द संख्या: 593, तिथि: 14 फरवरी 2014

429. बड़की माता- शब्द संख्या: 1224, तिथि: 18 फरवरी 2014

430. धरती-अकास- शब्द संख्या: 184 , तिथि: 19 फरवरी 2014

431. बकठाँइ- शब्द संख्या: 883, तिथि: 24 फरवरी 2014

432. चैन-बेचैन- शब्द संख्या: 936, तिथि: 09 मार्च 2014

433. हथियाएल खुरपी- शब्द संख्या: 645 , तिथि: 11 मार्च 2014

434. अलपुरिया बरी- शब्द संख्या: 287, तिथि: 12 मार्च 2014

435. नीक बोल- शब्द संख्या: 565, तिथि: 13 मार्च 2014

436. सुआद- शब्द संख्या: 624, तिथि: 14 मार्च 2014

437. गंगा नहेलौं- शब्द संख्या: 690, तिथि: 19 मार्च 2014

438. भोँटक गहमी- शब्द संख्या: 508, तिथि: 24 मार्च 2014

439. भँसैत नाह- शब्द संख्या: 597, तिथि: 26 मार्च 2014

440. पान पराग- शब्द संख्या: 1692, तिथि: 29 मार्च 2014

441. सिरमा- शब्द संख्या: 760, तिथि: 31 मार्च 2014

442. नौमीक हकार- शब्द संख्या: 1119, तिथि: 03 अप्रैल 2014

443. फोंक मकड़- शब्द संख्या: 1744, तिथि: 10 अप्रैल 2014

444. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1252, तिथि: 14 अप्रैल 2014

445. अभिनव अनुभव- शब्द संख्या: 326, तिथि: 16 अप्रैल 2014

446. खोंटकर्मा- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 19 अप्रैल 2014

447. किछु ने- शब्द संख्या: 503, तिथि: 22 अप्रैल 2014

448. झकास- शब्द संख्या: 1589, तिथि: 26 अप्रैल 2014

449. अप्पन-बीरान- शब्द संख्या: 2919, तिथि: 01 मई 2014

450. सजमनियाँ आम- शब्द संख्या: 611, तिथि: 04 मई 2014

451. अर्जुन रोग- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 7 मई 2014

452. गरदैन कट्टा बेटा- शब्द संख्या: 575, तिथि: 10 मई 2014

453. नैहराक धाड़- शब्द संख्या: 885, तिथि: 14 मई 2014

454. अवाक- शब्द संख्या: 1041, तिथि: 17 मई 2014

455. पोखैरक सैरात- शब्द संख्या: 923, तिथि: 20 मई 2014

456. दनियाँ डाबा- शब्द संख्या: 409, तिथि: 22 मई 2014

457. धरम काँट- शब्द संख्या: 395, तिथि: 23 मई 2014

458. पल भरि- शब्द संख्या: 1116, तिथि: 24 मई 2014

459. किरदानी- शब्द संख्या: 5309, तिथि: 14 जून 2014

460. सगहा- शब्द संख्या: 2860, तिथि: 22 जून 2014

461. अकाल- शब्द संख्या: 1238, तिथि: 24 जून 2014

462. उझट बात- शब्द संख्या: 1152, तिथि: 26 जून 2014

463. कर्जखौक- शब्द संख्या: 1175, तिथि: 2 जुलाई 2014

464. उनटन- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 6 जुलाई 2014

465. रेहना चाची- शब्द संख्या: 1307, तिथि: 9 जुलाई 2014

466. बुधनी दादी- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 11 जुलाई 2014

467. अउतरित प्रश्न- शब्द संख्या: 1229, तिथि: 14 जुलाई 2014

468. हारि- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 16 जुलाई 2014

469. सोनाक सुइत- शब्द संख्या: 1135, तिथि: 17 जुलाई 2014

470. मरूभूमि- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 20 जुलाई 2014

471. असगरे- शब्द संख्या: 1557, तिथि: 24 जुलाई 2014

472. पुरनी नानी- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 27 जुलाई 2014

473. कटा-कटी- शब्द संख्या: 1140, तिथि: 30 जुलाई 2014

474. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1206, तिथि: 3 अगस्त 2014

475. गलती अपने भेल- शब्द संख्या:3386, तिथि: 06 अगस्त 2014

476. चोरक चोरबती- शब्द संख्या: 884, तिथि: 6 अगस्त 2014

477. घर तोड़ि देलिऐ- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 10 अगस्त 2014

478. सजल स्मृति- शब्द संख्या: 2363, तिथि: 14 अगस्त 2014

479. सनेस- शब्द संख्या: 2654, तिथि: 16 अगस्त 2014

480. सए कच्छे- शब्द संख्या: 488, तिथि: 19 अगस्त 2014

481. एक मुठी घास- शब्द संख्या: 411, तिथि: 21 अगस्त 2014

482. करिछौंह मुँह- शब्द संख्या: 318, तिथि: 24 अगस्त 2014

483. पुरस्कार- शब्द संख्या: 2414, तिथि: 24 अगस्त 2014

484. गावीस मोइस- शब्द संख्या: 687, तिथि: 29 अगस्त 2014

485. मनकमना- शब्द संख्या: 6110, तिथि: 19 सितम्बर 2014

486. घरवास- शब्द संख्या: 4879, तिथि: 26 सितम्बर 2014

487. समधीन- शब्द संख्या: 6098, तिथि: 04 अक्टूबर 2014

488. चापाकलक पाइप- शब्द संख्या: 1616, तिथि: 7 अक्टूबर 2014

489. कलम हानि कऽ- शब्द संख्या: 2226, तिथि: 10 अक्टूबर 2014

490. लतियाएल जिनगी- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 14 अक्टूबर 2014

491. गामक शकल-सूरत- शब्द संख्या: 2596, तिथि: 20 अक्टूबर 2014

492. जितिया पाबैन- शब्द संख्या: 3706, तिथि: 24 अक्टूबर 2014

493. सुखाएल सूरत- शब्द संख्या: 3690, तिथि: 30 अक्टूबर 2014

494. भैयारी हक- शब्द संख्या: 3131, तिथि: 4 नवम्बर 2014

495. ठकुआएल भुसवा- शब्द संख्या: 3335, तिथि: 13 नवम्बर 2014

496. खुदियाएल- शब्द संख्या: 2887, तिथि: 17 नवम्बर 2014

497. खटहा आम- शब्द संख्या: 3515, तिथि: 22 नवम्बर 2014

498. ढकरपेँच- शब्द संख्या: 3759, तिथि: 30 नवम्बर 2014

499. असहाज- शब्द संख्या: 2865, तिथि: 04 दिसम्बर 2014

500. समरथाइक भूत- शब्द संख्या: 3853, तिथि: 07 दिसम्बर 2014

501. विदाइ- शब्द संख्या: 5131, तिथि: 17 दिसम्बर 2014

502. खलओदार- शब्द संख्या: 735, तिथि: 19 दिसम्बर 2014

503. मनुखदेवा- शब्द संख्या: 1027, तिथि: 22 दिसम्बर 2014

504. उमेद- शब्द संख्या: 3643, तिथि: 31 दिसम्बर 2014

505. गलगर भैंस- शब्द संख्या: 3392, तिथि: 4 जनवरी 2015

506. जाड़ फाटि गेल- शब्द संख्या: 3328, तिथि: 9 जनवरी 2015

507. सुरता- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 15 जनवरी 2015

508. असुध मन- शब्द संख्या: 2353, तिथि: 19 जनवरी 2015

509. धरमूदासक अखड़ाहा- शब्द संख्या: 1410, तिथि: 21 जनवरी 2015

510. ठोररंगू- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 23 जनवरी 2015

511. लगबे ने कएल- शब्द संख्या: 1449, तिथि: 25 जनवरी 2015

512. उकड़ू समय- शब्द संख्या: 1467, तिथि: 27 जनवरी 2015

513. चास-बास दुनू गेल- शब्द संख्या: 1615, तिथि: 29 जनवरी 2015

514. चौरचनक दही- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 31 जनवरी 2015

515. अपन मन अपन धन- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 3 फरवरी 2015

516. टुटली मरैया- शब्द संख्या: 1951, तिथि: 7 फरवरी 2015

517. हकार- तिथि: 11 फरवरी 2015, शब्द संख्या: 1911

518. दहेजुआ गाए- शब्द संख्या: 1908, तिथि: 15 फरवरी 2015

519. मेटाइत जिनगी- शब्द संख्या: 2129, तिथि: 20 फरवरी 2015

520. धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!- शब्द संख्या:1996, तिथि: 23 फरवरी 2015

521. लेहाज- शब्द संख्या: 1906, तिथि: 26 फरवरी 2015

522. विचार हेरा गेल- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 1 मार्च 2015

523. ओ दिन- शब्द संख्या: 1782, तिथि: 4 मार्च 2015

524. उरीन- शब्द संख्या: 3235, तिथि: 8 मार्च 2015

526. नहरकन्हा- शब्द संख्या: 1209, तिथि: 11 मार्च 2015

527. बटखौक- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 14 मार्च 2015

528. पसेनाक धरम- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 16 मार्च 2015

529. जेठुआ गरदा- शब्द संख्या: 1103, तिथि: 18 मार्च 2015

530. हँसीएमे उड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 20 मार्च 2015

531. बुड़िबकहा बुड़िबक बनौलक- शब्द संख्या: 1234, तिथि: 23 मार्च 2015

532. हमर बाइनिक विचार- शब्द संख्या: 1207, तिथि: 26 मार्च 2015

533. नोकरिहारा- शब्द संख्या: 1146, तिथि: 26 मार्च 2015

534. घसवाहि- शब्द संख्या: 1213, तिथि: 28 मार्च 2015

535. तेतर भाइक कविता- शब्द संख्या: 1319, तिथि: 1 अप्रैल 2015

536. छूआ- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 6 अप्रैल 2015

537. दोसराइत- शब्द संख्या: 1270, तिथि: 9 अप्रैल 2015

538. लछनमान- शब्द संख्या: 1173, तिथि: 13 अप्रैल 2015

539. हमर कोन दोख- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 17 अप्रैल 2015

540. मौसी- शब्द संख्या: 1393, तिथि: 21 अप्रैल 2015

541. नटकिया गति- शब्द संख्या: 1313 24 अप्रैल 2015

542. खाए चाहैए- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 27 अप्रैल 2015

543. मधुमाछी- शब्द संख्या: 1892, तिथि: 07 मई 2015

544. दनगर घास- शब्द संख्या: 2775, तिथि: 13 मई 2015

545. सझिया खेती- शब्द संख्या: 3135, तिथि: 23 मई 2015

546. मुफतिया माल- शब्द संख्या: 3231, तिथि: 29 मई 2015

547. मथाहाथ- शब्द संख्या: 2923, तिथि: 02 जून 2015

548. पहपैट- शब्द संख्या: 1369, तिथि: 05 जून 2015

549. इजोरिया राति- शब्द संख्या: 1512, तिथि: 07 जून 2015

550. तीन जुगिया भाय- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 12 जून 2015

551. अँगनेमे हेरा गेलौं- शब्द संख्या: 605, तिथि: 14 जून 2015

552. डकरा हाल- शब्द संख्या: 2529, तिथि: 17 जून 2015

553. जेतए जे हौउ- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 21 जून 2015

554. गठूलाक गारि- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 25 जून 2015

555. कनी हमरो सुनू- शब्द संख्या: 1983, तिथि: 29 जून 2015

556. गामक बान्ह- शब्द संख्या: 2437, तिथि: 03 जुलाई 2015

557. गुड़ा खुद्दीक रोटी- शब्द संख्या: 2443, तिथि: 08 जुलाई 2015

558. सीरक गाछ- शब्द संख्या: 3071, तिथि: 13 जुलाई 2015

559. हरदीक हरदा- शब्द संख्या: 2924, तिथि: 19 जुलाई 2015

560. जाम- शब्द संख्या: 3355, तिथि: 29 जुलाई 2015

561. गण्डा- शब्द संख्या: 2304, तिथि: 5 अगस्त 2015

562. हाथी आ मूस- शब्द संख्या: 3016, तिथि: 11 अगस्त 2015

563. मुसरी आ घोड़ा- शब्द संख्या: 3625, तिथि: 17 अगस्त 2015

564. फलहार- शब्द संख्या: 2350, तिथि: 25 अगस्त 2015

565. भोरक झगड़ा- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 31 अगस्त 2015

566. क्रियाशील- शब्द संख्या: 3395, तिथि: 13 सितम्बर 2015

567. आइ एम शॉरी- शब्द संख्या: 2927, तिथि: 23 सितम्बर 2015

568. ओऽ होऽ होऽ हूसि गेल- शब्द संख्या: 1025, तिथि: 29 सितम्बर 2015

569. मीनी भ्रष्टाचार- शब्द संख्या: 825, तिथि: 5 अक्टूबर 2015

570. गजपट खेती- शब्द संख्या: 1171, तिथि: 8 अक्टूबर 2015

571. समुद्री विद्या- शब्द संख्या: 787, तिथि: 11 अक्टूबर 2015

572. राकशे रहि गेलौं- शब्द संख्या: 959, तिथि: 12 अक्टूबर 2015

573. निनिया देवीक आराधना- शब्द संख्या: 679, तिथि: 13 अक्टूबर 2015

574. बताहे बताह बनौलक- शब्द संख्या: 574, तिथि: 15 अक्टूबर 2015

575. धोखा- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 17 अक्टूबर 2015

576. खसैत गाछ- शब्द संख्या: 2234, तिथि: 22 अक्टूबर 2015

577. ठूठ गाछ- एक: शब्द संख्या: 1790, तिथि: 25 अक्टुबर 2015

578. ठूठ गाछ- दू: शब्द संख्या: 1203, तिथि: 29 अक्टुबर 2015

579. वैष्णवी भगवती- शब्द संख्या: 2099, तिथि: 01 नवम्बर 2015

580. ठूठ गाछ- तीन: शब्द संख्या: 999, तिथि: 04 नवम्बर 2015

581. ठूठ गाछ- चारि: शब्द संख्या: 1494, तिथि: 07 नवम्बर 2015

582. ठूठ गाछ- पाँच: शब्द संख्या: 2363, तिथि: 12 नवम्बर 2015

583. ठूठ गाछ- छह: शब्द संख्या: 1539, तिथि: 17 नवम्बर 2015

584. ठूठ गाछ- सात: शब्द संख्या: 3232, तिथि: 23 नवम्बर 2015

585. ठूठ गाछ- आठ: शब्द संख्या: 2780, तिथि: 01 दिसम्बर 2015

586. ठूठ गाछ- नअ ‘क’: शब्द संख्या: 2091, तिथि: 06 दिसम्बर 2015

587. ठूठ गाछ- नअ ‘ख’: शब्द संख्या: 1083, तिथि: 08 दिसम्बर 2015

588. ठूठ गाछ- नअ ‘ग’: शब्द संख्या: 1296, तिथि: 10 दिसम्बर 2015

589. ठूठ गाछ, दस- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 16 दिसम्बर 2015

590. प्रीगर शत्रु- शब्द संख्या: 1087, तिथि: 26 दिसम्बर 2015

591. एगच्छा आमक गाछ- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 31 दिसम्बर 2015

592. माघ नहाइले जाएब- शब्द संख्या: 2616, तिथि: 4 जनवरी 2016

593. एक घोंट पानि- शब्द संख्या: 2516, तिथि: 10 जनवरी 2016

594. एते दिन अपना-ले आब अनका-ले- शब्द: 3371, तिथि: 16 जनवरी 2016

595. माइक वचन- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 21 जनवरी 2016

596. पान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 26 जनवरी 2016

597. आजुक जिनगीक आइ परीक्षा- शब्द: 1676, तिथि: 01 फरवरी 2016

598. शुभचिन्तक- शब्द संख्या: 3947, तिथि: 08 फरवरी 2016

599. करिछौन लाली- शब्द संख्या: 3000, तिथि: 13 फरवरी 2016

600. मोहरा- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 15 फरवरी 2016

601. अपन पुरखाक डीह- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 17 फरवरी 2016

602. जेना हाथी रही- शब्द संख्या: 1245, तिथि: 20 फरवरी 2016

603. कठफल- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 22 फरवरी 2016

604. गामे उपैट गेल- शब्द संख्या: 1680, तिथि: 25 फरवरी 2016

605. झूठे- शब्द संख्या: 1969, तिथि: 29 फरवरी 2016

606. लाही- शब्द संख्या: 2335, तिथि: 3 मार्च 2016

607. परतीहा खढ़- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 6 मार्च 2016

608. उजगी- शब्द संख्या: 1079, तिथि: 9 मार्च 2016

609. हाथक जिनगी- शब्द संख्या: 983, तिथि: 14 मार्च 2016

610. गाछपर सँ खसला- शब्द संख्या: 2000, तिथि: 20 मार्च 2016

611. केतौ ने रहलौं- शब्द संख्या: 2103, तिथि: 25 मार्च 2016

612. अपने केलहा- शब्द संख्या: 2314, तिथि: 31 मार्च 2016

613. बत्तु- शब्द संख्या: 2244, तिथि: 10 अप्रैल 2016

614. कछमछी- शब्द संख्या: 2322, तिथि: 15 अप्रैल 2016

615. गैत-वीध- शब्द संख्या: 2424, तिथि: 21 अप्रैल 2016

616. दियरबा-भैंसुर- शब्द संख्या: 2089, तिथि: 29 अप्रैल 2016

617. एक दिन- शब्द संख्या: 2063, तिथि: 5 मई 2016

618. दुधियाएल बरखा- शब्द संख्या: 2059, तिथि: 11 मई 2016

619. गलफूलू- शब्द संख्या: 2117, तिथि: 14 मई 2016

620. बिटगरहा- शब्द संख्या: 1992, तिथि: 19 मई 2016

621. आब नइ आगि लगैए- शब्द संख्या: 1962, तिथि: 23 मई 2016

622. कटौज- शब्द संख्या: 1977, तिथि: 28 मई 2016

623. बाल बोध- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 2 जून 2016

624. डभियाएल गाम- शब्द संख्या: 2483, तिथि: 6 जून 2016

625. एकबोलिया दादी- शब्द संख्या: 2189, तिथि: 11 जून 2016

626. मरियाएल मन- शब्द संख्या: 1921, तिथि: 17 जून 2016

627. त्राहि-कृष्ण- शब्द संख्या: 2900, तिथि: 23 जून 2016

628. कन्हा भँट्टा- शब्द संख्या: 2539, तिथि: 30 जून 2016

629. जिगेसा- शब्द संख्या: 3977, तिथि: 8 जुलाई 2016

630. गुलेती दास- शब्द संख्या: 5993, तिथि: 12 अगस्त 2016

631. भोलानाथ बाबा- शब्द संख्या: 2359, तिथि: 17 अगस्त 2016

632. दुरकाल- शब्द संख्या: 3189, तिथि: 22 अगस्त 2016

633. कलंक- शब्द संख्या: 2763, तिथि: 27 अगस्त 2016

634. अड़िकट्टा चोर- शब्द संख्या: 2077, तिथि: 31 अगस्त 2016

635. बगदल गाम- शब्द संख्या: 2405, तिथि: 6 सितम्बर 2016

636. बत्तीसोअना- शब्द संख्या: 890, तिथि: 8 सितम्बर 2016

637. कचहरिया रोग- शब्द संख्या: 1651, तिथि: 12 सितम्बर 2016

638. दिन घटि गेल- शब्द संख्या: 2425, तिथि: 5 अक्टूबर 2016

639. मुड़ियाएल घर- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 11 अक्टूबर 2016

640. गामक सुरता- शब्द संख्या: 2265, तिथि: 19 अक्टूबर 2016

641. खतियाएल घर- शब्द संख्या: 2057, तिथि: 09 नवम्बर 2016

642. बात-कथा सुनौलक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 15 नवम्बर 2016

643. अनका बेर ओंघी- शब्द संख्या: 2233, तिथि: 20 नवम्बर 2016

644. देव उठान- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 24 नवम्बर 2016

645. नमहर घरक चोरि- शब्द संख्या: 2397, तिथि: 28 नवम्बर 2016

646. भोरक सपना- शब्द संख्या: 1013, तिथि: 1 दिसम्बर 2016

647. बालमण्डली- शब्द संख्या: 1288, तिथि: 6 दिसम्बर 2016

648. धोखा केतए भेल- शब्द संख्या: 1053, तिथि: 09 दिसम्बर 2016

649. माघक चाह- शब्द संख्या: 1330, तिथि: 12 दिसम्बर 2016

650. भँसियाएल बाल-बोध- शब्द संख्या: 1306, तिथि: 15 दिसम्बर 2016

651. माघक घूर- शब्द संख्या: 1812, तिथि: 18 दिसम्बर 2016

652. पाही पट्टी- शब्द संख्या: 2370, तिथि: 25 दिसम्बर 2016

653. बीरांगना- शब्द संख्या: 1551, तिथि: 30 दिसम्बर 2016

654. स्मृति शेष- शब्द संख्या: 1941, तिथि: 6 जनवरी 2017

655. मनकेँ फुसलबै छी- शब्द संख्या: 1023, तिथि: 10 जनवरी 2017

656. चहकल विचार- शब्द संख्या: 4173, तिथि: 20 जनवरी 2017

657. विदाइ-दैछना- शब्द संख्या: 2312, तिथि: 25 जनवरी 2017

658. बीरांगना: 2- शब्द संख्या: 1992, 29 जनवरी 2017

659. पकिया चेला- शब्द संख्या: 1976, तिथि: 06 फरवरी 2017

660. कान फुटल कप- शब्द संख्या: 1595, तिथि: 09 फरवरी 2017

661. वर्थ डे- शब्द संख्या: 2535, तिथि: 16 फरवरी 2017

662. जानक मोल- शब्द संख्या: 2782, तिथि: 23 फरवरी 2017

663. गामक कटान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 01 मार्च 2017

664. कर्जा- शब्द संख्या: 3252, तिथि: 07 मार्च 2017

665. बेटीक लिलसा- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 11 मार्च 2017

666. अपन गारि अपन दुआरि- शब्द संख्या: 2546, तिथि: 17 मार्च 2017

667. बेटीक पैरुख- शब्द संख्या: 2735, तिथि: 26 मार्च 2017

668. बेटीक कुभेला- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 31 मार्च 2017

669. अपन रोपल गाछी भुताहि- शब्द संख्या: 2619, तिथि: 7 अप्रैल 2017

670. बलधकेल कटौज- शब्द संख्या: 2100, तिथि: 11 अप्रैल 2017

671. जारैनक दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 17 अप्रैल 2017

672. पढ़ल सुगा बौक- शब्द संख्या: 3775, तिथि: 26 अप्रैल 2017

673. हरवाहि- शब्द संख्या: 2784, तिथि: मजदूर दिवस (01 मई) 2017

674. क्रान्तियोग- शब्द संख्या: 3432, तिथि: 13 मई 2017

675. उचितवक्ता- शब्द संख्या: 3461, तिथि: 19 मई 2017

676. खेतक बँटवारा- शब्द संख्या: 3607, तिथि: 24 मई 2017

677. विघटन- शब्द संख्या: 3419, तिथि: 31 मई 2017

678. टुटल मनक जुटान- शब्द संख्या: 3456, तिथि: 06 जून 2017

679. बाबा बेलेश्वरनाथ- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 11 जून 2017

680. भुतलग्गू आकि भविसलग्गू- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 23 जून 2017

681. मर्माहत- शब्द संख्या: 2509, तिथि: 29 जून 2017

682. गुणहीन- शब्द संख्या: 3138, तिथि: 6 जुलाई 2017

683. समझौता- शब्द संख्या: 2280, तिथि: 13 जुलाई 2017

684. जेकर चुन तेकर पुन- शब्द संख्या: 2696, तिथि: 19 जुलाई 2017

685. त्रिकालदर्शी- शब्द संख्या: 2841, तिथि: 25 जुलाई 2017

686. नमहर फेरा- शब्द संख्या: 2902, तिथि: 29 जुलाई 2017

687. आशापर पानि पड़ल- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 02 अगस्त 2017

688. कोढ़िया सरधुआ- शब्द संख्या: 2279, तिथि: 06 अगस्त 2017

689. बेटपन- शब्द संख्या: 3054, तिथि: 11 अगस्त 2017

690. छातीक हार- शब्द संख्या: 2291, तिथि: 16 अगस्त 2017

691. उमेरक लेहाज- शब्द संख्या: 2986, तिथि: 22 अगस्त 2017

692. पैंतीस साल पछुआ गेलौं- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 05 सितम्बर 2017

693. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- एक: श. सं.: 1630, तिथि: 14 सितम्बर 2017

694. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दू: श. सं.: 2878, 18 सितम्बर 2017

695. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- तीन: श. सं.: 2318, 22 सितम्बर 2017

696. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- चारि: श. सं.: 2239, 26 सितम्बर 2017

697. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- पाँच: श. सं.: 1903, 29 सितम्बर 2017

698. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- छह: श. सं.: 2450, 03 अक्टुबर 2017

699. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- सात: श. सं.: 2040, 07 अक्टुबर 2017

700. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- आठ: श. सं.: 2403, 12 अक्टुबर 2017

701. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- नअ: श. सं.: 5046, 19 अक्टुबर 2017

702. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दस: श. सं.: 794, 19 अक्टुबर 2017

703. पुरान साड़ी- शब्द संख्या: शब्द संख्या: 2453, तिथि: 24 अक्टूबर 2017

704. गाम बिसैर गेल- शब्द संख्या: 2482, तिथि: 28 अक्टूबर 2017

705. ऐँठ साड़ी- शब्द संख्या: 2925, तिथि: 01 नवम्बर 2017

706. लहसन- एक: शब्द संख्या: 3169, तिथि: 10 नवम्बर 2017

707. किछु ने फुरैए- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 12 नवम्बर 2017

708. लहसन- दू: शब्द संख्या: 2031, तिथि: 17 नवम्बर 2017

709. महिरम- शब्द संख्या: 1984, तिथि: 20 नवम्बर 2017

710. लहसन- तीन: शब्द संख्या: 2592, तिथि: 25 नवम्बर 2017

711. बेर परहक भदवा- शब्द संख्या: 2726, तिथि: 29 नवम्बर 2017

712. लहसन- चारि: शब्द संख्या: 2562, तिथि: 4 दिसम्बर 2017

713. सड़क-कातक खेत- शब्द संख्या: 2722, तिथि: 10 दिसम्बर 2017

714. दोहरी हाक- शब्द संख्या: 2700, तिथि: 21 दिसम्बर 2017

715. लहसन- पाँच: शब्द संख्या: 4691, तिथि: 30 दिसम्बर 2017

716. पाइक इज्जत- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 05 जनवरी 2018

717. सेहन्ता- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 11 जनवरी 2018

718. राक्षसक झड़- शब्द संख्या: 1649, तिथि: 15 जनवरी 2018

719. बेरपर- शब्द संख्या: 2585, तिथि: 19 जनवरी 2018

720. केकरा-ले केलौं- शब्द संख्या: 2649, तिथि: 23 जनवरी 2018

721. स्वाभिमानी जिनगी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 28 जनवरी 2018

722. बाबाक बाग-बगिया- शब्द संख्या: 3089, तिथि: 3 फरवरी 2018

723. अब-तब- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 7 फरवरी 2018

724. अगिलह- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 11 फरवरी 2018

725. लहसन- छह: शब्द संख्या: 2240, तिथि: 15 फरवरी 2018

726. लहसन- सात: शब्द संख्या: 1026, तिथि: 18 फरवरी 2018

727. लहसन- आठ: शब्द संख्या: 2220, तिथि: 22 फरवरी 2018

728. लहसन- नअ: शब्द संख्या: 2015, तिथि: 25 फरवरी 2018

729. कुकुरपन- शब्द संख्या: 2229, तिथि: 28 फरवरी 2018

730. हेराएल जिनगी- शब्द संख्या: 3107, तिथि: 5 मार्च 2018

731. आशापर पानि फेर गेल- शब्द संख्या: 2447, तिथि: 9 मार्च 2018

732. देखल दिन- शब्द संख्या: 2592, तिथि: 27 मार्च 2018

733. इज्जत उतैर गेल- शब्द संख्या: 1905, तिथि: 30 मार्च 2018

734. संकट- शब्द संख्या: 2595, तिथि: 4 अप्रैल 2018

735. एकतीस मार्च- शब्द संख्या: 2814, तिथि: 10 अप्रैल 2018

736. गेल माघ उनतीस दिन बॉकी- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 15 अप्रैल 2018

737. बापक चलैत- शब्द संख्या: 2606, तिथि: 20 अप्रैल 2018

738. बेटाक चलैत- शब्द संख्या: 2889, तिथि: 25 अप्रैल 2018

739. प्रवल इच्छा- शब्द संख्या: 2301, तिथि: 30 अप्रैल 2018

740. पंगु- एक: शब्द संख्या: 6478, तिथि: 11 मई 2018

741. पंगु- दू: शब्द संख्या: 2156, तिथि: 15 मई 2018

742. पंगु- तीन: शब्द संख्या: 2092, तिथि: 21 मई 2018

743. पंगु- चारि: शब्द संख्या: 2177, तिथि: 24 मई 2018

744. पंगु- पाँच: शब्द संख्या: 2492, तिथि: 27 मई 2018

745. पंगु- छह: शब्द संख्या: 1853, तिथि: 30 मई 2018

746. पंगु- सात: शब्द संख्या: 911, तिथि: 02 जून 2018

747. पंगु- आठ: शब्द संख्या: 1945, तिथि: 4 जून 2018

748. पंगु- नअ: शब्द संख्या: 935, तिथि: 6 जून 2018

749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018

750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018

751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018

752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018

753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018

754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018

755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018

756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018

757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018

758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018

759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018

760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018

761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018

762. आमक गाछी- एक: शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018

763. आमक गाछी- दू: शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018

764. आमक गाछी- तीन: शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018

765. आमक गाछी- चारि: शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018

766. आमक गाछी- पाँच: शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018

767. आमक गाछी- छह: शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018

768. आमक गाछी- सात: शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018

769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018

770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018

771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018

772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018

773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018

774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018

775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018

776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018

777. हमर मेला चोरि भऽ गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018

778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018

779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018

780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018

781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018

782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018

783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018

784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018

785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018

786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018

787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018

788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018

789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018

790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018

791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019

792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019

793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019

794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019

795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019

796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019

797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019

798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019

799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019

800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019

801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019

802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019

803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019

804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019

805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019

806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019

807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019

808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019

809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019

810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019

811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019

812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019

813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019

814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019

815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019

816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019

817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019

818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019

819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019

820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019

821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019

822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019

823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019

824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019

825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019

826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019

827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019

828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019

829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019

830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019

831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019

832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019

833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019

834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019

835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019

836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019

837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019

838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019

839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019

840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019

841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019

842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019

843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019

844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019

845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019

846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019

847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019

848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019

849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019

850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019

851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019

852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019

853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019

854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019

855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019

856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019

857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019

858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019

859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019

860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019

861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019

862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019

863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019

864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019

865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019

866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019

867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019

868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019

869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019

870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019

871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019

872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019

873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019

874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020

875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020

876. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020

877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020

878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020

879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020

880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020

881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020

882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020

883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020

884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020

885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020

886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020

887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020

888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020

889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020

890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020

891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020

892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020

893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020

894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020

895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020

896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020

897. सुचिता- एक: शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020

898. सुचिता- दू: शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020

899. सुचिता- तीन: शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020

900. सुचिता- चारि: शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020

901. सुचिता- पाँच: शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020

902. सुचिता- छह: शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020

903. सुचिता- सात: शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020

904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020

905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020

906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020

907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020

908. सुद्दढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020

908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020

909. गामक सूरत बदैल गेल: शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020

910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020

911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020

912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020

913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020

914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020

915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020

916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020

917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020

918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020

919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020

920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020

921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020

922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020

923. नवका लोक: शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020

924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020

925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020

926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020

927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021

928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021

929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021

930. मोड़पर- एक: शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021

931. मोड़पर- दू: शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021

932. मोड़पर- तीन: शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021

933. मोड़पर- चारि: शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021

934. मोड़पर- पाँच: शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021

935. मोड़पर- छह: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021

936. मोड़पर- सात: शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021

937. मोड़पर- आठ: शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021

938. मोड़पर- नअ: शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021

939. मोड़पर- दस: शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021

940. मोड़पर- एगारह: शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021

941. संकल्प- एक: शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021

942. संकल्प- दू: शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021

943. संकल्प- तीन: शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021

944. संकल्प- चारि: शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021

945. संकल्प- पाँच: शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021

946. संकल्प- छह: शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021

947. संकल्प- सात: शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021

948. संकल्प- आठ: शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021

949. संकल्प- नअ: शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021

950. संकल्प- दस: शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021

951. अन्तिम क्षण- एक: शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021

952. अन्तिम क्षण- दू: शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021

953. अन्तिम क्षण- तीन: शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021

954. अन्तिम क्षण- चारि: शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021

955. अन्तिम क्षण- पाँच: शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021

956. परिवारे गजपटा गेल: शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021

957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021

958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021

959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021

960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021

961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021

962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021

963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021

964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021

965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021

966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021

967. कुण्ठा- एक: शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021

968. कुण्ठा- दू: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021

969. कुण्ठा- तीन: शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021

970. कुण्ठा- चारि: शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021

971. कुण्ठा- पाँच: शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

972. कुण्ठा- छह: शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021

973. कुण्ठा- सात: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

974. कुण्ठा- आठ: शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021

975. कुण्ठा- नअ: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021

976. कुण्ठा- दस: शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021

977. सुद्दढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021

978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021

979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021

980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021

981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021

982. टुटि कS खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021

983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति.: 03 जनवरी 2022

984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022

985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022

986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022

987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022

988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022

989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022

990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022

991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022

992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022

993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022

994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022

995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022

996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022

997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022

998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022

999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022

1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022

1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022

1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022

1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022

1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022

995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022

1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022

1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022

1008. इज्जत लऽ लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022

1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022

1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022

1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022

1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022

1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022

1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022

1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022

1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022

1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022

1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022

1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022

1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022

1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022

1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022

1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022

1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022

1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022

1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022

1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022

1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022

1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022

1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022

1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1033. कनियैं-मनियैं पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022

1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022

1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022

1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022

1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022

1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022

1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022

1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022

1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022

1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022

1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022

1044. जिनगीकेँ पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022

1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022

1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022

1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022

1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022

1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022

1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022

1051. ओसचट बीमारी: शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022

1052. पुत्र परीक्षा: शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022

1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022

1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022

1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022

1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022

1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022

1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022

1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022

1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022

1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022

1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022

1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022

1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022

1065. सुनयना बेटी: 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023

1066. सुनयना बेटी: 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023

1067. सुनयना बेटी: 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023

1068. सुनयना बेटी: 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023

1069. सुनयना बेटी: 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023

1070. सुनयना बेटी: 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023

1071. सुनयना बेटी: 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023

1072. सुनयना बेटी: 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023

1073. सुनयना बेटी: 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023

1074. सुनयना बेटी: 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023

1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023

1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023

1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023

1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023

1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023

1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023

1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023

1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023

1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023

1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023

1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023

1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023

1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023

1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023

1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023

1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023

1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023

1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023

1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023

1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023

1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023

1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023

1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023

1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023

1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023

1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023

1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023

1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023

1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023

1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023

1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023

1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023

1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023

1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023

1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि: 10 अगस्त 2023

1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि: 30 अगस्त 2023

1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि: 02 सितम्बर 2023

1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023

1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023

1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023

1115. मुहाँ-ठुठ्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1116. औनाकS मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023

1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023

1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023

1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023

1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023

1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023

1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023

1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023

1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023

1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023

1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 03 नवम्बर 2023

1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023

1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023

1132. संचरण- शब्द संख्या: 1684, तिथि: 14 नवम्बर 2023

1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023

1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 20 नवम्बर 2023

1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023

1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023

1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023

1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023

1139. समैया लुच्चा- शब्द संख्या: 1735, तिथि: 07 दिसम्बर 2023

1140. उकडू समयमे सुकडू काज: शब्द संख्या: 1737, तिथि: 10 दिसम्बर 2023

1141. मुक्ति: शब्द संख्या: 1871, तिथि: 14 दिसम्बर 2023

1142. मोनि फुटल धारमे: जारी... ❑

❑❑❑

❑❑

❑

Notes